• जयपुर, सोमवार, 27 नवंबर 23 • वर्ष 01 • अंक 101 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये
www.chamaktarajasthan.com | Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

RNI. No. RAJHIND/2011/40950

दैनिक राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

चमकता राजस्थान

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिंडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, बीकानेर से प्रसारित

सुविचार

"सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।"

● स्वामी विवेकानंद

पेज @3 मतदान दलों ने संग्रहण केन्द्र पर जमा करवाई मतदान सामग्री...

पेज @4 बीजेपी ने चुनाव आयोग से की राहुल गांधी की शिकायत, एक्स ...

पेज @8 मैदाने कर्बला में गूंजी इश्क-ए-रसूल सल्लल्लाहु अलैहि...

'कभी नहीं भूल सकता...': पीएम मोदी

पीएम मोदी ने दी मुंबई हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली/एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज अपने 'मन की बात' कार्यक्रम में 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों के पीड़ितों को याद किया. उन्होंने इसे भारत का ₹सबसे जघन्य₹ आतंकवादी हमला करार दिया. अपने संबोधन के दौरान पीएम मोदी ने कहा, ₹हम 26 नवंबर को कभी नहीं भूल सकते. इसी दिन देश में सबसे जघन्य आतंकवादी हमला हुआ था. आतंकियों ने मुंबई और पूरे देश को हिलाकर रख दिया था. यह भारत की क्षमता है कि हम उस हमले से उबर गए और अब पूरी हिम्मत के साथ आतंकवाद को कुचल रहे हैं."

● साल 2008 में आतंकी हमलों से दहल गया था मुंबई शहर

बता दें कि साल 2008 में 26 नवंबर के दिन भारी हथियारों से लैस 10 पाकिस्तानी आतंकवादियों ने मुंबई में सिलसिलेवार हमलों को अंजाम दिया था. इन हमलों में आम लोगों और सुरक्षाकर्मियों, दोनों को ही निशाना बनाया गया, जिससे भारी तबाही और नुकसान हुआ था. इन आतंकी हमलों से मुंबई पूरी तरह से दहल गया था. एके-47 राइफल और ग्रेनेड से लैस आतंकियों ने छत्रपति शिवाजी टर्मिनस रेलवे स्टेशन, ताज महल पैलेस होटल, ओबेरॉय ट्राइडेंट होटल और नरीमन हाउस यहूदी सामुदायिक केंद्र समेत शहर भर की कई जगहों पर एक के बाद एक हमले किए थे. पाकिस्तान से अरब सागर के रास्ते मुंबई शहर में घुसपैठ करने वाले आतंकियों ने 18 सुरक्षाकर्मियों समेत 166 लोगों की हत्या कर दी और सैकड़ों लोगों को घायल कर दिया था. उन्होंने बड़े पैमाने पर करोड़ों रुपए की संपत्ति को भी नुकसान पहुंचाया था. मुंबई हमलों में मारे गए लोगों में तत्कालीन एटीएस के प्रमुख हेमंत करकरे, सेना के मेजर संदीप उन्नीकृष्णन, मुंबई के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त अशोक कामटे और वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय सालस्कर शामिल थे.

हमलों के दौरान सुरक्षा बलों ने बहादुरी से डटे रहकर 10 में से 9 आतंकवादियों को मार गिराया था और एक आतंकी अजमल कसाब को जिंदा पकड़ लिया था. अजमल कसाब को 4 साल बाद 21 नवंबर, 2012 को फांसी दे दी गई. मुंबई हमलों की 15वीं बरसी के दौरान राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हमलों के पीड़ितों को श्रद्धांजलि दी और देश के लोगों से आतंकवाद से लड़ने की प्रतिज्ञा को फिर से याद करने की अपील की.

● राष्ट्रपति मुर्मू ने सुरक्षाकर्मियों के बलिदान को किया याद

राष्ट्रपति मुर्मू ने ट्वीट कर लिखा, ₹कृतज्ञ राष्ट्र 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के सभी पीड़ितों को दुख के साथ याद करता है. हम बहादुर आत्माओं की यादों का सम्मान करते हुए उनके परिवारों और अपनों के साथ खड़े हैं. मैं उन बहादुर सुरक्षाकर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूं, जिन्होंने मातृभूमि के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए. उनके सर्वोच्च बलिदान को याद करते हुए, आइए हम हर जगह सभी रूपों में आतंकवाद से लड़ने की अपनी प्रतिज्ञा को फिर से दोहराएं.

फास्ट टेक

वैवाहिक क्रूरता की कोई परिभाषित सीमा नहीं है : हाईकोर्ट

कोलकाता/एजेंसी। कलकत्ता उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने कहा है कि मार्शल क्रूरता की कोई परिभाषित सीमा नहीं है और इसलिए अदालत हर मामले के लिए अलग-अलग यह निर्धारित कर सकती है कि क्रूरता हुई है या नहीं। न्यायमूर्ति सौमेन सेन और न्यायमूर्ति सिद्धार्थ रॉय चौधरी की खंडपीठ की टिप्पणी कुछ दिन पहले पारित एक आदेश का हिस्सा थी, जिसकी एक प्रति शनिवार को अपलोड की गई।

तलाक की याचिका पर आदेश पारित करते हुए खंडपीठ ने कहा कि वैवाहिक क्रूरता आवशयक रूप से शारीरिक क्रूरता तक ही सीमित नहीं है और कभी-कभी अपमानजनक व्यवहार या रिश्ते को नष्ट करने का पूर्व नियोजित प्रयास भी वैवाहिक क्रूरता के समान है। खंडपीठ के मुताबिक, मानसिक शोषण और पत्नी व बच्चों के प्रति जिम्मेदारी न निभाना भी वैवाहिक क्रूरता की श्रेणी में आता है। यह भी देखा गया कि जो एक व्यक्ति के लिए वैवाहिक क्रूरता नहीं है, वह दूसरे व्यक्ति के लिए क्रूरता का कार्य हो सकता है और इसलिए वैवाहिक क्रूरता के मामले की कोई परिभाषित सीमा नहीं है। यह टिप्पणी एक तलाक याचिका पर एक आदेश में आई। निचली अदालत ने पहले पति द्वारा वैवाहिक क्रूरता के आधार पर तलाक की मंजूरी दे दी थी। पति ने फैसले को चुनौती दी, लेकिन खंडपीठ ने भी निचली अदालत के आदेश को बरकरार रखा।

मेघालय के मुख्यमंत्री के काफिले की पायलट कार को ट्रक ने टक्कर मारी, संगमा सुरक्षित

शिलांग/एजेंसी। मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा के काफिले की पायलट कार को ऊपरी शिलांग में एक पिकअप ट्रक ने टक्कर मार दी। यह जानकारी पुलिस ने दी। हालांकि, मुख्यमंत्री और सुरक्षाकर्मी सुरक्षित हैं। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में दोनों वाहनों को आंशिक क्षति पहुंची है। यह दुर्घटना तब हुई, जब संगमा एक आधिकारिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए भारत-बांग्लादेश सीमा पर स्थित डाउकी शहर जा रहे थे।

जनता के आशीर्वाद से 'आप' एक राष्ट्रीय पार्टी बनी : केजरीवाल

नयी दिल्ली/एजेंसी। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी(आप) को जनता ने अपने प्यार और आशीर्वाद से राष्ट्रीय पार्टी में बदल दिया है। केजरीवाल ने एक्स पर कहा आज ही के दिन साल 2012 में देश के आम आदमी ने उठकर अपनी खुद की पार्टी 'आम आदमी पार्टी' की स्थापना की थी। तब से लेकर आज तक इन 11 साल में बहुत उतार-चढ़ाव आए, बहुत मुश्किलें भी आई लेकिन हम सबके जज़्बे और जुनून में कोई कमी नहीं आई है। उन्होंने कहा एक छोटी सी पार्टी को आज जनता ने अपने प्यार और आशीर्वाद से एक राष्ट्रीय पार्टी में बदल दिया है, जनता का आशीर्वाद हमारे साथ है।

राष्ट्रीय राजधानी में सांसों पर संकट बरकरार

दिल्ली में रविवार सुबह नौ बजे एक्यूआई रहा 385

नयी दिल्ली । एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली की हवा में आज (रविवार) में कोई बदलाव नहीं हुआ। सांसों पर संकट बरकरार है। समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया। इस बीच पश्चिमी विक्षोभ के कारण मौसम में होने वाले बदलाव से कुछ राहत मिलने के आसार हैं। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार दिल्ली में आज सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 'गंभीर' श्रेणी में रहा। राजधानी दिल्ली में सुबह नौ बजे एक्यूआई 385 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अनुसार पूरे दिन का औसत एक्यूआई शाम चार बजे दर्ज किया जाता है। शनिवार को एक्यूआई 389, शुक्रवार को 415, गुरुवार को 390, बुधवार को 394, मंगलवार को 365, सोमवार को 348 और रविवार (19 नवंबर) को 301 दर्ज किया गया था।

बोर्ड के अनुसार शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को 'अच्छा, 51 और 100 के बीच 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब', 401 और 450 के बीच 'गंभीर' एवं 450 के ऊपर 'अत्यंत गंभीर' श्रेणी में माना जाता है। दिल्ली में नवंबर में अब तक 10 दिन ऐसे रहे हैं जब वायु गुणवत्ता का स्तर 'गंभीर' श्रेणी में दर्ज किया गया।

- समग्र वायु गुणवत्ता सूचकांक 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज
- मौसम में होने वाले बदलाव से कुछ राहत मिलने के आसार

खाई में गिरी थी कार, फरिश्ता बनकर पहुंचे मोहम्मद शमी ने बचाई शख्स की जान

नई दिल्ली/एजेंसी। टीम इंडिया के स्टार गेंदबाज मोहम्मद शमी क्रिकेट पिच पर अपनी गेंदों से आग उगलते हैं। वह विपक्षी बल्लेबाजों को कोई मौका नहीं देते और उनके लिए काल साबित होते हैं। लेकिन वह क्रिकेट के इतर अपने व्यक्तिगत जीवन में बहुत इमोशनल और विनम्र इंसान हैं। क्रिकेट विश्व कप समाप्त होने के बाद शमी रिलैक्स मोड में हैं। वह इन दिनों नैनीताल में छुट्टियां बिता रहे हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह एक दुर्घटनाग्रस्त कार में फंसे व्यक्ति की मदद करते नजर आ रहे हैं। मोहम्मद शमी ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा है, 'यह बहुत भाग्यशाली हैं, भगवान ने इन्हें दूसरा जीवन दिया है। इनकी कार नैनीताल में पहाड़ी रास्ते से नीचे खाई की ओर जा गिरी। यह मेरी गाड़ी के ठीक आगे चल रहे थे। हमने इन्हें सुरक्षित गाड़ी से बाहर निकाल लिया। वीडियो में भारतीय तेज गेंदबाज और उनके साथी दुर्घटनाग्रस्त कार के पास खड़े नजर आ रहे हैं।

उत्तरकाशी टनल रेस्क्यू :

मजदूरों को बचाने के लिए भारतीय सेना ने संभाला मोर्चा, करेगी मैनुअल ड्रिलिंग

देहरादून/एजेंसी।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में बनाई जा रही सिलक्यारा सुरंग में 41 श्रमिकों की जिंदगी दांव पर लगी हुई है। बीते 14 दिनों से इन्हें सही सलामत निकालने का प्रयास जारी है। इसी क्रम में अब भारतीय सेना के मद्रास सैपर्स के जवान भी शामिल हो गए हैं। यह जवान कुछ सिविलियन्स के साथ मिलकर मैनुअल ड्रिलिंग का काम करेंगे। इसके लिए कुल 20 विशेष लोगों को बुलाया गया है। वहीं बचाव कार्य के लिए प्लाज्मा कटर भी पहुंच गया है और इससे कटाई शुरू कर दी गई है।

अमेरिकन ऑगर की प्लाज्मा कटर के साथ अव्वल लेजर कटर का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। अगर शाम तक इन कटर्स के द्वारा अमेरिकन ऑगर मशीन को निकाल लिया जाए, तो 12-14 घंटे में उसके बाद ये टनल का काम पूरा हो सकता है। वर्टिकल ड्रिलिंग की संभावनाएं बिलकुल न के बराबर हैं, क्योंकि इस समय टनल के अंदर सभी 41 लोग आराम से हैं। उनको खाना और सब कुछ मिल रहा है। अगर वर्टिकल ड्राइविंग करते हैं तो संभावनाएं हैं कि टनल के ऊपर प्रेशर बने और मलबे की वजह से उनकी पाइप टूट सकती है। इसलिए वर्टिकल ड्रिलिंग का सामान ऊपर पहुंचा दिया गया है।

वहीं मैनुअल ड्रिलिंग करने के लिए भारतीय सेना सिविलियन लोगों के साथ मिलकर टनल के अंदर ही चूहा बोरिंग करेगी। इस दौरान हाथों से और हथौड़ी छैनी जैसे हथियारों से खोदने के बाद मिट्टी निकाली जाएगी और फिर ऑगर के ही प्लेटफॉर्म से पाइप को आगे धकेला जाएगा।

वहीं नेशनल डिसास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के सदस्य ले. जनरल सैय्यद अता हसनैन ने राजधानी दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राहत की बात ये है कि जो भी श्रमिक वहां फंसे हुए हैं उनसे बात हो रही है। वे लोग ठीक हैं। उन्होंने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन में कुछ अड़चने आ गई हैं। हम मलबे में 62 मीटर तक जाने की कोशिश

हैदराबाद से मंगाया गया प्लाज्मा कटर, मुख्यमंत्री धामी बोले- अंदर फंसे सभी श्रमिक स्वस्थ हैं

उत्तरकाशी/एजेंसी।

सिलक्यारा सुरंग हादसे के 14वें दिन भी फंसे हुए 41 मजदूरों को निकालने में कोई सफलता नहीं मिली। अमेरिकी ऑगर मशीन एक पाइप में फंस गई है, जिसके बाद से रेस्क्यू ऑपरेशन में दिक्कत आ रही है। अब अन्य विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कहा कि हैदराबाद से प्लाज्मा कटर मंगाया गया है। पाइप में फंसी ऑगर मशीन को जल्द ही काट के निकाल लिया जाएगा।

सिलक्यारा स्थित अस्थायी मीडिया सेंटर में प्रेस ब्रीफिंग में मुख्यमंत्री ने कहा कि कठिन परिस्थितियों में सरकार पूरी शिद्दत के साथ रेस्क्यू कार्य में जुटी है। उन्होंने स्वयं कम्युनिकेशन सिस्टम के जरिए अंदर फंसे लोगों से बात की है। अंदर फंसे सभी श्रमिक स्वस्थ हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा समन्वय बनाते हुए सभी संभव विकल्पों पर कार्य किया जा रहा है। केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न एजेंसियां हर संभव प्रयास कर रहे हैं।

धामी ने कहा कि रेस्क्यू ऑपरेशन में दुनियाभर के विशेषज्ञों का तकनीकी सहयोग लिया जा रहा है। उन्होंने कहा हि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी निरंतर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं। रेस्क्यू कार्य में किसी भी तरह की अड़चन न आए, इसके लिए पहले से ही सेना के अलावा देश और विदेश की विशेषज्ञ तकनीकी एजेसियों की मदद ली गई है।

मोदी के लिए 'पनौती' का इस्तेमाल राजनीतिक दरिद्रता

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ की गयी 'पनौती' (अपशकुन), जेबकतरा एवं कर्ज माफी जैसी अशोभनीय टिप्पणियों के कारण निशाने पर हैं। चुनाव आयोग (ईसी) ने हालिया टिप्पणियों के लिए राहुल गांधी को कारण बताओ नोटिस जारी करके निर्णायक कार्रवाई की है। यह कार्रवाई सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा चुनाव आयोग में दर्ज की गई एक शिकायत का संज्ञान लेते हुए की गयी है। चुनाव आयोग ने जहां पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा इस्तेमाल की गई भाषा पर चिंता व्यक्त की वही भाजपा ने तर्क दिया कि ऐसी भाषा एक वरिष्ठ राजनीतिक नेता के लिए 'अशोभनीय' है। पिछले लम्बे दौर से विश्वनेता के रूप में प्रतिष्ठित देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दर्शन, उनके व्यक्तित्व, उनकी बढ़ती ख्याति, उनकी बहुआयामी योजनाओं व उनकी कार्य–पद्धतियों पर कीचड़ उछाल रहे हैं। पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनाव के प्रचार अभियान में विपक्षी नेताओं और विशेषतः कांग्रेस नेताओं ने अमर्यादित, अशिष्ट, छिछालेदार भाषा का उपयोग कर राजनीतिक मर्यादाओं को तार–तार कर दिया है। विडम्बना देखिये मोदी को गालियां देकर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करने वाले राहुल गांधी इसका खामियाजा भी भुगतते रहे हैं, लेकिन राजनीतिक अपरिवक्वता के कारण वे कोई सबक लेने का तैयार नहीं है।

निर्वाचन आयोग ने राहुल गांधी को याद दिलाया कि आदर्श चुनाव आचार संहिता नेताओं को राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ असत्यापित आरोप लगाने से रोकती है। लेकिन राहुल गांधी ने राजस्थान में हाल की रैलियों में प्रधानमंत्री पर निशाना साधते हुए उनके लिए 'पनौती', जेबकतरे और अन्य विवादित शब्दों का इस्तेमाल किया था। राहुल गांधी के ये अशोभनीय एवं मर्यादाहीन बयान क्या रंग लायेगा, यह भविष्य के गर्भ में हैं, लेकिन स्वस्थ एवं आदर्श लोकतंत्र के लिये देश के प्रधानमंत्री के लिये इस तरह के निम्न, स्तरहीन एवं अमर्यादित शब्दों का प्रयोग होना, एक विडम्बना है, एक त्रासदी है, एक शर्मनाक स्थिति है। केवल कांग्रेस ही नहीं, अन्य राजनीतिक दल के नेता भी ऐसी अपरिपक्वता एवं अशालीनता का परिचय देते रहे हैं। पिछले नौ वर्षों में उद्योगपतियों को चौदह लाख करोड़ रुपये की छूट देने के आरोप भी सत्यता से परे, तथ्यहीन, भ्रामक एवं गुमराह करने वाले हैं। 'जेबकतरे' शब्द का प्रयोग करते हुए आरोप लगाया गया कि प्रधानमंत्री लोगों का ध्यान भटकाते हैं। जबकि उद्योगपति गौतम अडानी उनकी (लोगों की) जेब से पैसे निकालते हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि जेबकतरे इसी तरह काम करते हैं। आयोग ने राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट की उस टिप्पणी के बारे में भी बताया जिसमें कहा गया था कि अगर संविधान के अनुच्छेद 19 (1) (ए) में बोलने और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की रक्षा की जाती है तो प्रतिष्ठा के अधिकार को भी अनुच्छेद 21 में संरक्षित जीवन के अधिकार का एक अभिन्न हिस्सा माना जाता है। इन दो अधिकारों को संतुलित करना एक संवैधानिक आवशयकता है। लेकिन राहुल गांधी को यह संतुलन साधना कहा आता है?

राहुल गांधी ने अहमदाबाद में विश्व कप क्रिकेट के फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया से भारत की हार के बाद राजस्थान में चुनावी भाषण में मोदी के खिलाफ 'पनौती' जैसे आपत्तिजनक, विवादित एवं अपशब्द का इस्तेमाल किया था। यह एक शब्दभर नहीं है, बल्कि अनेक कुटिलताओं की अभिव्यक्ति है, 'पनौती' मोटे तौर पर ऐसे शख्स के लिये उपयोग किया जाता है, जिसकी मौजूदगी होने भर से बनता काम बिगड़ जाता है। आम तौर पर पनौती शब्द ऐसे व्यक्ति के लिए इंगित किया जाता है जो बुरी किस्मत लाता है। वैसे इसका किसी ज्ञान–विज्ञान और तर्क से नाता नहीं है। जाने–माने भाषाविद् डॉक्टर सुरेश पंत के मुताबिक, हिंदी में –औती प्रत्यय से अनेक शब्द बनते हैं। इनमें कटौती, चुनौती, मनौती, बपौती इत्यादि शामिल हैं। पनौती शब्द नकारात्मकता एवं अशुभता का सूचक है। पनौती को शनि की बुरी दशा का समय माना जाता है। इसका मतलब बाढ़ भी होता है। पनौती तमिल शब्द पन्नादाई का अपभ्रंश भी है। इसका मतलब होता है 'एक ढीला बुना हुआ कपड़ा' या 'मूर्ख'।

बात केवल राहुल गांधी की ही नहीं है, कौन भूल सकता है सोनिया गांधी का वह बयान, जिसने वास्तव में गुजरात की जनता को झकझोर कर रख दिया था। तब सोनिया ने गुजरात के तत्कालीन और बेहद लोकप्रिय मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को 'मौत का सौदागर' बताया था। सोनिया ने कहा था, ''मेरा पूरा भरोसा है कि आप ऐसे लोगों को मंजूर नहीं करेंगे जो जहर के बीज बोते हैं।'' 'मौत का सौदागर' के बाद 'जहर की खेती' के इस बयान ने गुजरात ही नहीं, देश की जनता की भावना को जगा दिया। नतीजा लोकसभा चुनाव के परिणाम के रूप में सामने आया, जिसमें बीजेपी को 278 और कांग्रेस को 45 सीटें मिली। जनता को बेवकूफ एवं नासमझ समझने की भूल कांग्रेस बार–बार करती रही है और बार–बार मात खाती रही है। इन चुनावों में भी ऐसी मात खाने को मिले तो कोई आश्चर्य नहीं है। क्योंकि जनता अपने सर्वोच्च नेतृत्व को मर्यादाहीन तो कत्तई नहीं देखना चाहती। कोई पूर्व केबिनेट मंत्री मणिशंकर अय्यर मोदी को 'नीच' तक कह देता है तो राहुल तो सर्जिकल स्ट्राइक पर 'खून की दलाली' जैसे आरोप लगाते रहे हैं। नोटबंदी को लेकर जहां पूरा देश नरेन्द्र मोदी के साथ खड़ा था, तब विपक्ष को काले कारोबारियों के साथ खड़ा होने में जरा भी शर्म नहीं आई। विपक्ष ने दुनिया के कुख्यात रहे तानाशाह हिटलर, मुसोलिनी, कर्नल गद्दाफी से प्रधानमंत्री मोदी की तुलना कर डाली। इस तरह के स्तरहीन, औछे एवं अमर्यादित बयानों से न केवल विपक्ष दलों के नेताओं बल्कि कांग्रेस पार्टी की न केवल फजीहत होती रही है, बल्कि उसकी बौखलाहट को दर्शाती रही है। इस तरह के लोग राजनीति में जगह बनाने के लिये ऐसी अनुशासनहीनता एवं अशिष्टता करते हैं। राहुल के इस तरह के ओछे, स्तरहीन एवं अशालीन शब्दों के प्रयोग का एक लम्बा सिलसिला है। मोदी पर गाली की बौछार में कभी उनको सांप, बिच्छू और गंदा आदमी कहा था। तो कभी लहू पुरुष, पानी पुरुष और असत्य का सौदागर भी बताया। सत्ता के शीर्ष पर बैठकर यदि इस तरह जनतंत्र के आदर्शों को भुला दिया जाता है तो वहां लोकतंत्र के आदर्शों की रक्षा नहीं हो सकती। राजनैतिक लोगों से महात्मा बनने की आशा नहीं की जा सकती, पर वे अशालीनता एवं अमर्यादा पर उतर आये, यह ठीक नहीं है। महात्मा गांधी ने कहा था कि मेरा ईश्वर दरिद्र–नारायणों में रहता है।' आज यदि उनके भक्तों–कांग्रेसजनों से यही प्रश्न पूछा जाये तो संभवतः यही उत्तर मिलेगा कि हमारा ईश्वर कुर्सी में रहता है, सत्ता में रहता है। तभी उनमें अच्छाई–बुराई न दिखाई देकर केवल सत्तालोलुपता दिखती है।

नरेंद्र मोदी का मथुरा मंसूबा

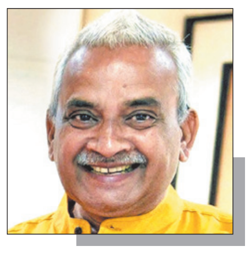

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

भाजपा की सरकारें सबका साथ सबका विकास और सबका विश्वास को चरितार्थ कर रही हैं। क्षद्म धर्मनिरपेक्षता की राजनीति बेनकाब होने लगी है। पौराणिक स्थलों के विश्वस्तरीय विकास को देश और सम्बन्धित प्रदेश की अर्थव्यवस्था और ढांचागत विकास से जोड़ा गया है। इसके अभूतपूर्व सकारात्मक परिणाम दिखाई दे रहे हैं। उज्जैन और काशी में पर्यटकों की संख्या कई गुना बढ़ गई। अयोध्या में जनवरी से ऐसा माहौल दिखाई देने लगेगा। योगी आदित्यनाथ मथुरा–वृंदावन का भी वैश्विक पर्यटन की द्रष्टि से विकास कर रहे हैं। उनकी सरकार ने मथुरा में ब्रज विकास परिषद का गठन किया। इसके माध्यम से व्यापक कार्य सम्पादित हो रहे है। वर्तमान सरकार ने अयोध्या, काशी, मथुरा को तीर्थाटन की द्दष्टि से विश्व स्तरीय बनाने का प्रयास किया है। अयोध्या में दीपोत्सव का विश्व रिकार्ड कायम हुआ। देश–विदेश से बड़ी संख्या में लोग इसमें सहभागी बने। इसी प्रकार ब्रज क्षेत्र में रंगोत्सव की धूम फागुन के साथ शुरू हो जाती है। योगी ने इसे भी विश्व के लिए आकर्षक अवसर बना दिया। सरकार ने मथुरा रंगोत्सव को विश्व में प्रतिष्ठित किया है। यहां के कण कण में बिहारी जी और राधा जी का दर्शन होता है। इसीलिए पूरी दुनिया यहां आती है। मथुरा की सात्विकता, वैष्णो भाव, पवित्रता को देखकर दुनिया को भक्ति की शक्ति की अनुभूति होती है। सरकार यहां की परम्परा व संस्कृति की उन्नति के लिए कार्य कर रही है। मथुरा वृन्दावन, बरसाना, बलदेव, गोवर्धन, गोकुल को तीर्थ स्थल का दर्जा दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मथुरा में कहा कि जब देश आजाद हुआ तो जो महत्व इस पवित्र तीर्थ को मिलना चाहिए था वो हुआ नहीं। जो लोग भारत को उसके अतीत से काटना चाहते थे, जो लोग भारत की संस्कृति और उसकी आध्यात्मिक पहचान से विरक्त थे, जो आजादी के बाद भी गुलामी की मानसिकता नहीं त्याग पाए। उन्होंने ब्रज भूमि को भी विकास से वंचित रखा। लेकिन अब राम मंदिर की तिथि भी आ गई है। अब वो दिन दूर नहीं जब यहां भगवान कृष्ण के दर्शन और भी दिव्य रूप में होंगे। भारत हमेशा से नारी शक्ति का पूजन करने वाला देश रहा है। कृष्ण के आगे भी राधा ही लगा है। हमारे देश में महिलाओं ने हमेशा जिम्मेदारियां भी उठाई और समाज को लगातार मार्गदर्शन भी किया है। मीराबाई जी इसका भी एक प्रखर उदाहरण रही है। मीराबाई एक पथ प्रदर्शक रही हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्री कृष्ण और मीराबाई का गुजरात का अलग ही रिश्ता है। मथुरा के कान्हा ने यहां से जाकर गुजरात में द्वारिका बनाई और उनकी महान भक्त मीराबाई ने राजस्थान से आकर अंत समय गुजरात में बिताया था।

चौरासी कोस का ये ब्रज मंडल यूपी और राजस्थान को जोड़कर बनता है। योगी आदित्यनाथ विगत साढ़े छह वर्षो से मथुरा का विश्व स्तरीय विकास कर रहे हैं। पौराणिक आस्था एवं संस्कृति से जुड़े रहने के लिए ब्रज क्षेत्र में श्रीकृष्ण की प्रिय प्रजातियों के आठ लाख पौधों का रोपण संभव हुआ। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद का गठन किया गया। ब्रज तीर्थ विकास परिषद द्वारा ब्रज क्षेत्र के समग्र विकास के लिए विभिन्न विकास परियोजनाओं का क्रियान्वयन कराया जा रहा है। सरकार ने मथुरा वृंदावन को नगर निगम का दर्जा प्रदान किया है। रंगोत्सव कृष्णोत्सव एवं वैष्णव बैठक के आयोजन पूरी दुनिया में ब्रज संस्कृति को पुष्पित एवं पल्वित कर रहे हैं। पांच हजार वर्षो से यह क्षेत्र धर्म, संस्कृति, अध्यात्म तथा हर्ष एवं उल्लास के माहौल के लिए जाना जाता रहा है। मथुरा से प्रदेश के विभिन्न जनपद अच्छी सड़कों के माध्यम से जुड़ रहे हैं। ब्रज तीर्थ विकास परिषद के गठन के माध्यम से यहां विकास परियोजनाओं को आगे बढ़ाया गया। स्वतंत्र भारत में ब्रज भूमि के विकास का समय आया है। मथुरा, वृंदावन, बरसाना, नंदगांव तथा बलदेव ये सभी तीर्थस्थल बदलते हुए दिखायी दे रहे हैं। ब्रज भूमि के विकास के लिए लगभग तीस हजार करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट विभिन्न चरणों में हैं। जिस प्रकार दीपावली के साथ अयोध्या धाम और प्रभु श्री राम का नाम जुड़ा है। होली की कल्पना मात्र गोकुल और प्रभु श्री कृष्ण का स्मरण हो जाता है। अयोध्या की दीपावली और बरसाने व काशी की होली विश्व प्रसिद्ध है। यह सभी स्थल वर्तमान उत्तर प्रदेश में है। नरेंद्र मोदी और योगी आदित्यनाथ ने इन अवसरों को विश्व स्तर पर प्रतिष्ठित कराया है। इसको देखने व सहभागी होने के लिए विदेशी पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। अयोध्या, मथुरा व काशी के विकास की द्दष्टि से पिछले कुछ वर्ष विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहे हैं। अयोध्या में भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण प्रगति पर है। भव्य श्री काशी विश्वनाथ धाम का लोकार्पण हो चुका है। मथुरा में ब्रज विकास परिषद के माध्यम से व्यापक कार्य सम्पादित हो रहे है। वर्तमान सरकार ने अयोध्या काशी मथुरा को तीर्थाटन की द्दष्टि से विश्व स्तरीय बनाने का प्रयास किया है। अयोध्या में दीपोत्सव का विश्व रिकार्ड कायम हुआ। देश–विदेश से बड़ी संख्या में लोग इसमें सहभागी बने। इसी प्रकार ब्रज क्षेत्र में रंगोत्सव की धूम फागुन के साथ शुरू हो जाती है। योगी इसे भी विश्व के लिए आकर्षण का केंद्र बनाने की योजना पर कार्य कर रहे है। सरकार ने मथुरा रंगोत्सव को विश्व में प्रतिष्ठित किया है। यहां के कण कण में बिहारी जीऔर राधा जी का दर्शन होता है। इसीलिए पूरी दुनिया यहां आती है। मथुरा की सात्विकता, वैष्णो भाव, पवित्रता को देखकर दुनिया को भक्ति की शक्ति की अनुभूति होती है। वर्तमान सरकार यहां की परम्परा व संस्कृति की उन्नति के लिए कार्य कर रही है। गंगा जी को निर्मल और अविरल बनाने का कार्य किया गया है। इसी तरह यमुना जी पूरी तरीके से निर्मल होंगी। सरकार ब्रज क्षेत्रवासियों को शुद्ध व मीठा पेयजल उपलब्ध करायेगी। इसके लिए कार्य योजना तैयार की गयी है। जल संचयन हेतु तालाबों का पुनरुद्वार किया जा रहा है। गोवर्धन जी के परिक्रमा क्षेत्र को विकसित करने के लिए एक सौ सत्रह करोड़ रुपये की धनराशि स्वीकृत की गयी है। गोवंश को संरक्षित करने का कार्य वर्तमान सरकार ने किया है। दुग्ध की गुणवत्ता बेहतर बनाने के प्रयास किये जा रहे है।

टीकाकरण के बाद इन गोवंशों को ईयरटैग किया जा रहा है। निराश्रित गोवंश को संरक्षण देने वालों को राज्य सरकार द्वारा नौ सौ रुपये प्रतिमाह प्रति गोवंश दिया जा रहा है। गोवंश के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गौ आश्रय स्थल बनाए जा रहे हैं। बरसाना स्थित श्री माताजी गौशाला में श्री श्याम लक्ष्मी गऊ चिकित्सालय एवं अनुसंधान केंद्र निर्मित किया गया। उत्तर प्रदेश में तीर्थाटन व पर्यटन विकास की अपार संभावना रही है। यहां विश्व स्तरीय तीर्थ व पर्यटन स्थल है। किंतु इसके अनुरूप यहां के विकास पर पहले ध्यान नहीं दिया गया। इस कारण पर्यटन सुविधाओं की बात दूर, मूलभूत सुविधाओं का भी विकास नहीं हो सका। योगी आदित्यनाथ ने समग्र विकास की अवधारणा में तीर्थाटन व पर्यटन को भी पूरे महत्व के साथ शामिल किया।

चीन में रहस्यमय बीमारी, नयी महामारी की तैयारी!

डॉ. मयंक चतुर्वेदी

एक बार फिर पूरी दुनिया चीन में बच्चों में फैली रहस्यमय बीमारी को लेकर बेहद खौफजदा है। ढीठ चीन पहले की तरह ऐंठा हुआ है कि किसी नई बीमारी के संकेत वहां नहीं मिले हैं। जो हैं सभी पहले से मालूम बैक्टीरिया–वायरस हैं जो बच्चों में फैल रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने बीजिंग से पूछा तो उसने बताया कि कुछ भी असामान्य नहीं है। यह साधारण बीमारी है। लेकिन उसकी चालबाजी यहीं समझ आती है कि जब बीमारी सामान्य है तो फिर क्यों विशेषज्ञ इसकी वजह कोविड पाबंदियों को हटाना, इन्फ्लूएंजा, बच्चों में एक आम जीवाणु संक्रमण यानी माइकोप्लाज्मा निमोनिया और रेस्पिरेटरी सिंकाइटियल वायरस यानी आरएसवी को बताते हैं? कहीं चीन बीमारी की सच्चाई जानकर भी दुनिया को दोबारा धोखा देने की फिराक में तो नहीं? क्यों विश्व स्वास्थ्य संगठन भी लोगों से अपील कर रहा है कि साफ–सफाई का ध्यान रखें और श्वांस संबंधी किसी भी लक्षणों पर तुरंत डॉक्टर से मिलें। पड़ोसी नेपाल ने न केवल अलर्ट जारी किया बल्कि बीमारी की जानकारी न देने पर चीन से नाराजगी भी जताई है। कोविड–19 सरीखे लक्षणों वाली नई बीमारी के चीन में जितने भी टेस्ट हुए हैं उनमें चीन ने कोरोना को खारिज किया है। लेकिन क्यों विशेषज्ञ इतने दिनों के बाद भी किसी नतीजे पर नहीं पहुंच पा रहे हैं? बीमारी कैसे फैल रही है? इसे लेकर बीजिंग खामोश है। इसी 13 नवंबर को उसके राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग ने बताया था कि वहां एक नया संक्रमण तेज फैल रहा है। बच्चे ज्यादा चपेट में आ रहे हैं।

उत्तरी भागों में पिछले तीन बरसों के मुकाबले इस अक्टूबर मध्य से एकाएक तेजी से इस बीमारी ने पैर पसारा। इन्फ्लूएंजा अमूमन जल्द काबू आता है। जब नहीं आया तब 21 नवंबर को सार्वजनिक रोग निगरानी प्रणाली (प्रोमेड) ने उत्तरी चीन में रहस्यमय न्यूमोनिया जैसी बीमारी सार्वजनिक की। देखते–देखते अस्पताल मरीजों से भरने लगे, जो रुकने का नाम ही ले रहे। यहीं से चिंता और चीन के पुराने झूठ और दोगलेबाजी पर ध्यान गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन को चेताया कि बीमारी के जोखिम को कम करने खातिर टीकाकरण और मरीजों से जरूरी दूरी बनाकर क्वारंटाइन करें और जांच कराएं। मास्क पहनने और नियमित रूप से हाथ धोने जैसी बातों का पालन हो। भारत सतर्क है लेकिन ज्यादा कुछ कहने से गुरेज कर रहा है। यह संक्रमण महामारी बनेगा या नहीं? यह भविष्य के गर्त में है। यह सही है कि पिछले दो–तीन माहों से भारत में बुखार का एक अजीब दौर दिख रहा है, जिसमें मरीज को पूरी तरह से ठीक होने में 10 से 15 दिन लग रहे हैं। ऊपर से पूरा शरीर टूटता है तथा जबरदस्त कमजोरी के साथ खांसी की शिकायत भी रहती है। चीन का रहस्यमय इन्फ्लूएंजा भी भारी पड़ रहा है। चिकित्सक भी सलाह देते हैं कि ऐसी कोई भी बीमारी या मिलते–जुलते लक्षण दिखें तो तुरंत जांच व परामर्श लिया जाए।

प्रायः वायरल या बैक्टीरियल संक्रमण बुखार पैदा करता है जो ठंड में या दूसरे मौसम में भी संभव है। इसमें नाक बहना, खांसी, सांस की लघुता यानी शॉर्टनेस ऑफ ब्रीद (एसओबी), उल्टी और दस्त भी हो सकता है। सभी मामलों में जरूरी नहीं कि यही लक्षण हों। इसके कई दूसरे कारण भी हो सकते हैं जैसे एडेनो वायरस, इन्फ्लूएंजा वायरस, एंटरोवायरस, राइनोवायरस और कोविड वायरस जैसे तमाम वायरस जिम्मेदार हैं। वहीं कुछ सामान्य से बैक्टीरिया और कुछ असामान्य बैक्टीरिया जैसे स्पाइरोकेट्स जिससे सिफलिस और लाइम रोग तो लेप्टोस्पाइरासे नाक, मुंह, आंखों में जानवरों के मल–मूत्र से दूषित पानी या मिट्टी के चोटिल त्वचा पर लगने से फैल कर जीवन–घातक बीमारियों में बदल जाता है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी ने अजीब चीनी निमोनिया को लेकर तमाम मीडिया रिपोर्ट्स और ग्लोबल संक्रामक रोग मॉनिटरिंग सर्विस की रिपोर्टो का हवाला दिया है। यह भी कहा है किए सभी सांस के संक्रमण के मामले नहीं हैं जो चिंताजनक है। वैज्ञानिक और रिसर्चर कड़ी निगरानी की बात कहते हैं। बीजिंग से करीब 700 किलोमीटर दूर लिओनिंग में तेजी से फैल रही बीमारी बच्चों को निशाना बना रही है। हालात बेकाबू हैं। अस्पतालों में जगह नहीं है। स्कूल बन्द हो चुके हैं। चीन कुबूलता तो है कि बीमारी बढ़ी है। लेकिन कोरोना के सरीखे रहस्यमयी चुप्पी साधे हुए है। बस इसी से दुनिया एक बार फिर चीन को शक की निगाह से देख रही है।

वहां कोरोना सरीखे पाबंदियां लग चुकी हैं। दुनिया दोबारा कोरोना महामारी के अटैक से डरी है। ऐसे में किसी बड़े खतरे और महामारी को टालने खातिर मास्क और प्रभावितों से दो गज की दूरी फिर जरूरी है। कोरोना के दौरान और कोरोना के बाद के हालातों से दुनिया बड़ा सबक पहले ले चुकी है। ऐसे में वैक्सीन से पहले ही आपसी समझ और परहेज से काबू हो जाए तो इससे बेहतर क्या हो सकता है?

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

चुनावी पिटारा कितना सहारा!

गिरीश्वर मिश्र

चुनाव को लोकतंत्र का पवित्र महोत्सव कहा जाता है। अब इसकी संस्कृति का पूरी तरह से कायाकल्प हो गया है। चुनाव आने के थोड़े दिन पहले गहमा–गहमी तेज होती है और अंतिम कुछ दिनों में हाईकमान अपने कंडिडेट का ऐलान करता है। साथ ही भूली बिसरी जनता की सुधि आती है। चुनाव आते ही सभी राजनीतिक दल अपना–अपना जादू का पिटारा खोलते है और उनकी सोई हुई जन–संवेदना जागती है। आहत जनता को राहत देने के लिए कमर कसते हुए सभी दल सुविधाओं की फेहरिस्त तैयार करने में जुट जाते हैं। रेल, सड़क, स्कूल, अस्पताल, नौकरी, कर्ज यानी जीने के लिए जो भी चाहिए उस सूची में शामिल किया जाता है। चुनावी राज्यों में पुलिस द्वारा करोड़ों रुपयों की जब्ती और शराब की आवाजाही आम बात हो गई है जिनका कोई दावेदार नहीं मिलता। यह सब इसलिए होता है ताकि जनता को अधिकाधिक मात्रा में लुभाया जा सके। जन–प्रलोभनों की यह अजीबोगरीब पेशकश यह सिद्ध करने के लिए मीडिया में खूब प्रचारित की जाती है कि वैसा लोक–शुभेच्छु कोई दूसरा नहीं है। इस सिलसिले में विभिन्न दल एक दूसरे से बढ–चढ़ कर जनसेवा की हुंकार भरते नहीं थकते और धन सम्पदा लुटाने की घोषणा करते हैं। बोली लगने के माहौल जैसी यह कवायद चुनी सरकार के बजट की याद दिलाती है। अलादीन के चिराग न होने पर कमी सिर्फ यही रहती है कि नेतागण यह नहीं बताते कि इन खर्चों के लिए राजस्व और संसाधन का जुगाड़ कैसे होगा और यह सब कहां से आएगा। चुनाव की चर्चा में देश , देश का भविष्य और देश की नीतियों के सवाल ग़ायब रहते हैं और सभी दल एक दूसरे पर दोष मढ़ने को बेताब रहते हैं। तू- तू, मैं–मैं करते हुए बात बढ़ कर व्यक्तिगत अपमान और लांछन पर आ टिकती है। नेताओं पर भद्र अभद्र आरोप लगते हैं और सभ्य शिष्ट आचरण से भटक कर सही गलत प्रवाद फैक्टर जाते हैं। चुनावी दंगल में रैली, रोड शो और रेला के आयोजन करते हुए राजनीतिक दल अपना दम खम दिखाने का स्वांग करते हैं। उस दौरान यातायात और जनसुविधाएं जरूर ठप हो जाती हैं । गौरतलब है कि घोषित हो रही सुविधाओं का फौरी आकलन और आख्यान जनता को मुफ्तखोरी की राह दिखाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता है। वंचित उपेक्षित समुदायों के लिए आरक्षण का ब्रह्मास्त्र चलाया जाता है और जातिगत आरक्षण का प्रावधान निरंतर व्यापक किया जा रहा है। गौरतलब है कि संविधान की यह व्यवस्था अल्पकाल के लिए की गई थी। वोट बैंक की राजनीति को प्रश्रय देते हुए उसका विस्तार नाना प्रकार से बढ़ाया जाता रहा। भारत में जातिमुक्त समाज के लक्ष्य को जाति की सत्ता की तीव्र पुष्टि की नीतियों से प्राप्त करने की अनवरत चेष्टा के अंतर्विरोध बार–बार सामने आते रहे हैं परंतु समाधान के लिए ध्यान देना नहीं हो सका। राजनीति की द्दष्टि से यह मुफीद नहीं लगता और योग्यता और अवसर का तालमेल बिठाने की कोशिश धरी रह जाती है।

पहाड़ों पर विकास यानी प्रकृति विनाश को न्यौता

तनवीर जाफरी

इस वर्ष ऐन दीपावली (12 नवंबर) के दिन जब पूरा देश इस पावन पर्व के जश्न में डूबा था, ठीक उसी दिन उत्तराखंड राज्य के उत्तरकाशी ज़िले में यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर निर्माणाधीन सिल्क्यारा नामक एक सुरंग का एक हिस्सा ढह गया। इस हादसे में इस सुरंग निर्माण में लगे 41 श्रमिक बीच सुरंग में ही फंसे रहे। इस सुरंग का निर्माण उत्तराखंड के उत्तरकाशी में 'चार धाम परियोजना' के तहत किया जा रहा है। श्रमिकों को सकुशल व सुरक्षित बाहर निकालने के लिये उच्चस्तरीय बचाव व राहत अभियान युद्धस्तर पर चलाया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तक ने बचाव कार्य पर अपनी नज़र बनाये रखी। बचाव अभियान में एसडीआरएफ, बीआरओ, परियोजना से जुड़ी एजेंसी एनएचआईडीसीएल, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), उत्तराखंड राज्य आपदा प्रतिवादन बल, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) और परियोजना का निर्माण करने वाली राष्ट्रीय राजमार्ग एवं अवसंरचना विकास निगम (एनएचआइडीसीएल) और भारत–तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) समेत विभिन्न एजेंसियां शामिल हुईं। एक पखवाड़े से भी अधिक चले इस राहत व बचाव अभियान में कई बार अलग अलग तरह की रुकावटें भी आईं। ड्रिलिंग के समय कई बार धातु रूपी अवरोध आये। यहां तक कि सुरंग बनाने वाली ऑगर मशीन तक ख़राब हो गयी जिसके चलते सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने में दो सप्ताह से भी अधिक का समय लग गया। अंत में हैदराबाद से आई आधुनिक प्लाज़्मा मशीन को सुरंग में ड्रिलिंग के काम पर लगाया गया। बचाव अभियान चलने के अंतिम दिनों में एक पाइप के माध्यम से सुरंग में फंसे श्रमिकों तक ऑक्सीजन, दवाएं और खाने–पीने की चीज़ें पहुंचाई गयीं। सिल्क्यारा सुरंग हादसे के बाद एक बार फिर पर्वतीय क्षेत्रों में होने वाले विकास कार्यों तथा इनसे उपजने वाले संकटों पर बहस शुरू हो गयी है। पहाड़ों में सुरंग बनाना ही ज़रूरी है या इसके बिना भी विकास किया जा सकता है, भू वैज्ञानिक पर्यावरण के जानकार यह सवाल फिर पूछने लगे हैं। इस हादसे के बाद हिमाचल प्रदेश जैसे कुछ सुरंग प्रधान राज्यों की सरकारों की भी नींदें खुली हैं। हिमाचल सरकार अब राज्य में निर्माणाधीन सुरंगों का सुरक्षा ऑडिट कराने की तैय्यारी में है। इसके तहत सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण समझा जाने वाले चंडीगढ़–मनाली राजमार्ग के अंतर्गत निर्माणाधीन सुरंगें भी सुरक्षा ऑडिट में शामिल रहेंगी। प्राप्त समाचारों के अनुसार देशभर की लगभग 29 सुरंगों को सुरक्षा ऑडिट के लिये चिन्हित किया गया है। इनमें 12 सुरंगें केवल हिमाचल प्रदेश राज्य में ही हैं। लगभग 79 किमी लंबी इन सभी 12 सुरंगों की तकनीकी जांच भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) और डीएमआरसी अर्थात दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन के विशेषज्ञों द्वारा संयुक्त रूप से की जाएगी। हिमाचल सरकार यह कवायद उत्तरकाशी की सिल्क्यारा सुरंग धंसने के बाद ही करने जा रही है। सुरंग निर्माण प्रक्रिया को चूँकि मैं ने बहुत करीब से देखा है, बल्कि व्यवसायिक रूप से इस प्रक्रिया का हिस्सा भी रहा हूँ इसलिये विकास के नाम पर प्रकृति और पर्यावरण को पहुँचने वाले आघात से भी भली भाँति परिचित हूँ। आइये ऐसा ही एक अनुभव आज यहाँ सांझा करता हूँ। 1980–95 के दौरान हिमाचल प्रदेश में नाथपा झाखड़ी हाइड्रो पावर प्रोजेक्ट निर्माणाधीन था। इसके लिये प्राकृतिक रूप से अपने मार्ग पर बहने वाली सतलुज नदी की दिशा अस्थाई रूप से बदलनी थी जिसके लिये विभिन्न सुरंगें बनाई जा रही थीं। यह सुरंगें महानगरीय मेट्रो की तरह अगार मशीन से बनने वाली सुरंगें नहीं होतीं। यहां मिटटी के नहीं बल्कि कठोर से कठोर किस्म के पत्थरों के पहाड़ों में सुरंग बनाई जाती है। इसके लिये पत्थर के इन पहाड़ों के गर्भ में 15–20 फुट के इस्पात के कई रॉड हाइड्रोलिक ड्रिल के द्वारा एक साथ अर्धाकार क्षेत्र में पहाड़ की छाती में डाल दिये जाते हैं। फिर इन्हें बाहर निकाल कर इनके द्वारा खाली की गयी जगहों में विस्फोटक भर दिया जाता है। उसके बाद सभी रॉड के विफोटक भरे सुराखों को तारों के द्वारा एक दूसरे से जोड़ दिया जाता है। उसके बाद निर्माणाधीन सुरंग में मौजूद सभी कर्मचारियों को सुरंग से बाहर आने का निर्देश दिया जाता है।

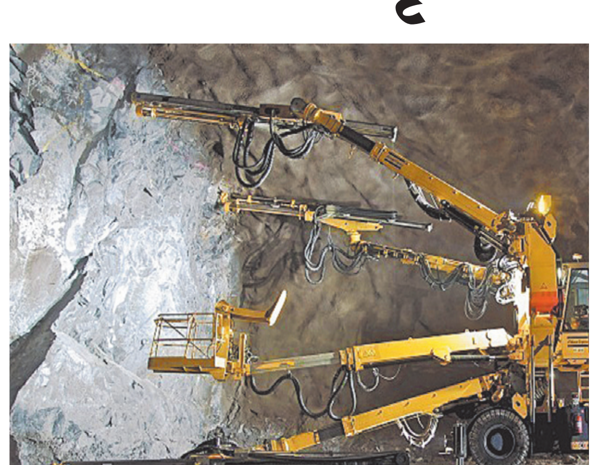

उधर इसी निर्माणाधीन सुरंग के ऊपरी भाग से गुज़रने वाले मार्ग पर भी यातायात बंद कर दिया जाता है। सब कुछ सुनिश्चित करने के बाद रिमोट कंट्रोल द्वारा अधिकृत अधिकारी ब्लास्ट कर देता है। आप विश्वास कीजिये जिस समय यह विस्फोट होता है उस समय कई किलोमीटर के इलाके में पहाड़ भूकंप की तरह कांपते हैं। ब्लास्ट की आवाज़ ऐसे प्रतीत होती है जैसे आसमान में भयंकर बम बलास्ट हुआ हो। और कई सेकेंड तक इस आवाज़ की ध्वनि–प्रतिध्वनि वातावरण में गूंजती रहती है। इस तरह के अनगिनत विस्फोटों का सामना करने वाले इसी हिमाचल प्रदेश ने पिछले दिनों वर्षा ऋतु में तबाही के वह दृश्य देखे जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। जगह–जगह भूस्खलन, बाढ़, बादल फटने, पुल टूटने, इमारतों के बहने व ढहने तथा जंगल के जंगल बह जाने जैसे दृश्य देखे गये। उत्तराखंड में भी जोशीमठ व कई अन्य इलाकों में न केवल भूस्खलन और बाढ़ आदि के मंज़र देखे गये बल्कि पहाड़ों के खिसकने उनमें दरार पड़ने की भी खबरें आईं। सैकड़ों लोगों के घरों में बड़ी बड़ी दरारें पड़ गयीं। तमाम लोग दहशत के चलते घर छोड़ने को मजबूर हुए।

और इस तरह की सभी खबरों के बाद हर बार यह बहस छिड़ी कि विकास के नाम पर पहाड़ों में सुरंगें बनाना या पहाड़ काट कर रास्ते चौड़े करना मुनासिब है भी या नहीं? क्या सुरंग बनाये बिना चाइनीज़ तकनीक से पहाड़ों की खाइयों में ऊँचे से ऊँचे खम्बों को आधार बनाकर उनपर सड़क या रेल मार्ग नहीं बिछाया जा सकता? सुरंगें बनाना और पहाड़ काट कर सड़कें चौड़ी करने का जो पारम्परिक तरीका हमारे देश में अपनाया जाता है वह न केवल पर्यावरण के लिये हानिकारक है बल्कि इससे जान व माल की क्षति की भी पूरी संभावना बनी रहती है। कहना गलत नहीं होगा कि इंसान विकास के नाम पर स्वयं अपनी ही तबाही की पटकथा स्वयं लिख रहा है। कहीं बेतहाशा भू जल दोहन कर, कहीं अंधाधुंध पेड़ों की कटाई कर, कहीं धुंआ व प्रदूषण फैला कर, कहीं प्लास्टिक व पॉलीथिन का अत्याधिक प्रयोग कर, कहीं सुरंगें बनाकर तो कहीं पहाड़ काट कर मनुष्य अपनी 'कथित विकास गाथायें' लिख रहा है। परन्तु सच तो यह है कि खास तौर पर पहाड़ों पर होने वाला 'विध्वंसात्मक विकास', विकास नहीं बल्कि यह प्रकृति के विनाश को न्यौता दिया जाना है।

संक्षिप्त समाचार

बिदारा में संविधान दिवस मनाकर अधिकारों और कर्तव्यों की दी जानकारी

चमकता राजस्थान। शाहपुरा (खलील कुरैशी)उपखंड के ग्राम बिदारा के अम्बेडकर चौक पर रविवार को डॉ.भीमराव अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए 74 वां संविधान दिवस मनाया गया ।युवाओं ने भारत की संविधान के उद्देशिका का सामूहिक वाचन किया गया ।इस अवसर पर सामाजिक कार्यकर्ता डॉ पूरणमल बुनकर ने युवाओं को बताया कि भारतीय संविधान को 26 नवंबर 1949 को संविधान सभा द्वारा अंगीकृत,अधिनियमित और आत्मार्पित किया गया था। भारतीय संविधान के भाग-3 में मूल अधिकार एवं भाग-4 में अनुच्छेद 36-51 तक राज्य के नीति निर्देशक तत्व हैं ।एकीकृत एवं स्वतन्त्र न्याय पालिका भी भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषता है। विश्व के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के संविधान निर्माण में डॉ.भीमराव अंबेडकर के विशेष योगदान को याद किया गया ।इस दौरान 26/11 के शहीदों 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

कार्यक्रम में दिनेश कुमार बुनकर,मुकेश कुमार बुनकर,विजय कुमार, रामसिंह ब्रजवाल, जयराम रैगर,हरिकिशन वर्मा, घनश्याम रैगर, विकास मीणा, रोहिताश वर्मा,विजय रैगर, सन्नी चांदोलिया, पीयूष वर्मा सहित कई युवा उपस्थित थे।

भरतपुर सेलजा वेलफेयर सोसाइटी द्वारा 85 जोड़ों ने थामा एक दुसरे का हाथ

चमकता राजस्थान/धौलपुर(रामदास तरुण)। सेलजा वेलफेयर सोसायटी द्वारा 85 जोड़ों का उन्ही के रीती रिवाजों के अनुसार सामूहिक विवाह सम्मेलन कराया गया! सोसायटी के अध्यक्ष डॉ० राजेश मुंद्रा ने बताया की सोसायटी द्वारा 85 जोड़ों का सनातन धर्म की रीती के अनुसार विवाह सम्पनं कराये गए! और जोड़ों को तोहफे में एक मोटर साईकिल, फ्रीज़, बैड, अलमारी, सोफा बर्तन आदि के साथ - साथ 50 से अधिक घरेलु सामान भेंट किया गया !और तारा महिंद्रा परिवार की तरफ से लक्की ड्र निकला गया! जिसमे विजेता मनीष कुमार नगला सह भरतपुर को एक स्मार्ट फोन दिया गया सोसायटी के सभी कार्यकर्ताओं ने नव विवाहित जोड़ों को आशीवार्द दे कर सुखमय जीवन की मंगल कामनाएँ की!

दो खुराक दवा से बच्चे को खून की कमी से मिलेगी निजात

चमकता राजस्थान/धौलपुर !(रामदास तरुण)। धौलपुर में 26 नवम्बर ×को चिकित्सा एवं परिवार कल्याण विभाग द्वारा पांच साल तक के बच्चों ,किशोर किशोरियों ,गर्भवती महिलाओ में खून की कमी को दूर करने के लिए एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम की शुरुआत की गयी है। ताकि लक्षित वर्ग की समय पर स्क्रिनिंग हो सके और उन्हे एनीमिया से बचाया जा सके। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.जयंती लाल मीणा ने बताया कि एनीमिया मुक्त भारत कार्यक्रम के तहत 6 माह से 59 माह के बच्चो को सप्ताह में दो बार आईएफए यानि आयरन फोलिक एसिड सिरप देने का प्रावधान किया गया है। एक खुराक में एक मिलीलीटर यानी 8-10 बूंद होती है यह सभी चिकित्सा संस्थानों पर निः शुल्क उपलब्ध है सभी आशा सहयोगिनी को सम्बंधित चिकित्सा संस्थान से सिरप की 50 मिलीलीटर की बोतले आवशयक मात्रा में दी जाती है। प्रथम दो सप्ताह में आशा सहयोगिनी द्वारा स्वयं बच्चो को दवा पिलाकर तत्पश्चात बच्चे की माँ को दवा देना सिखाने का प्रयास करती है एवं ममता कार्ड भरना सिखाती है। दो सप्ताह के बाद का खुराक माँ द्वारा स्वयं पिलाने तथा ममता कार्ड में निशान लगाने के विषय में इस कार्यक्रम के दिशा निर्देश में विशेष बल दिया।

संविधान दिवस के अवसर पर आगरा मंडल मे संविधान की प्रस्तावना का हुआ वाचन

चमकता राजस्थान। धौलपुर !(रामदास तरुण) दिनांक 26.11.2023 को संविधान दिवस के उपलक्षय में आगरा मंडल में मंडल रेल प्रबंधक तेज प्रकाश अग्रवाल के नेतृत्व में संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया ।ज्ञात हो कि 26 नवंबर 1949 को भारत की संविधान सभा द्वारा अंगीकार और 26 जनवरी 1950 से प्रभावी होने के साथ भारत का संविधान हमारे राष्ट्र का सर्वोच्च कानून बना था। यह दस्तावेज़ हमारी मूलभूत राजनीतिक व्यवस्था, संरचना, प्रक्रियाओं, शक्तियों और सरकारी संस्थानों के कर्तव्यों का सीमांकन करता है और साथ ही मौलिक अधिकारों, नीति निर्देशक सिद्धांतों और नागरिकों के कर्तव्यों को निर्धारित करता है। यह दुनिया में किसी भी देश का सबसे बड़ा लिखित संविधान है और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र की रीढ़ है। संविधान भारत को एक संप्रभु समाजवादी, धर्मनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य घोषित करने के साथ ही, नागरिकों को न्याय, समानता और स्वतंत्रता के प्रति आश्वस्त करता है और राष्ट्र में भ्रातृत्वभाव को स्थापित कर रहा है ।इस अवसर पर सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को ₹संविधान की प्रस्तावना-पाठ कराया गया। संविधान दिवस प्रस्तावना-पाठ के उपरांत अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा प्रस्तावना शपथ के सर्टिफिकेट डाउन लोड किए गए '

मतदान दलों ने संग्रहण केन्द्र पर जमा करवाई मतदान सामग्री,जिला निर्वाचन अधिकारी ने की सराहना

जिला निर्वाचन अधिकारी ने सफल मतदान कराने के लिए मतदान कार्मिकों को दी बधाई

चमकता राजस्थान

धौलपुर (रामदास तरुण) धौलपुरमें 25 नवंबर को जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में जिले में विधानसभा आमचुनाव 2023 के तहत मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाने के पश्चात विधानसभा क्षेत्रों से देर रात लौटे मतदान दलों का जिला प्रशासन द्वारा उनके कार्य व योगदान को सराहा गया। मतदान दलों के चेहरे पर शांतिपूर्ण मतदान करवाने के पश्चात उत्साह देखा गया। जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार अग्रवाल ने मतदान दलों को शुभकामनाएं प्रेषित की।

विधानसभा चुनाव का मतदान शांतिपूर्ण कराने के बाद शनिवार देर रात तक मतदान दल जिले के बाड़ी रोड़ स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज में पहुंचे जहां संग्रहण केन्द्र स्ट्रांग रूम में मतदान समाग्री जमा करवाई। जहां मतदान दलों का स्वागत किया गया। धौलपुर जिले की 4 विधानसभा क्षेत्रों की 928 मतदान केंद्रों की मतदान सामग्री देर रात तक बाड़ी रोड़ स्थित राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज धौलपुर के संग्रहण केन्द्र स्ट्रांग रूम में जमा की गई। कलक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अनिल कुमार अग्रवाल ने बताया कि विधानसभा चुनाव के तहत धौलपुर जिले की 4 विधानसभा क्षेत्र में शांतिपूर्ण मतदान संपन्न होने के बाद 928मतदान दलों के आधिकारिक व कर्मचारियों द्वारा सुरक्षित मतदान सामग्री ईवीएम मशीन समेत अन्य सामग्री जमा कराई है। सामग्री को स्ट्रांग रूम में सील बंद कराया गया है। सभी मतदान दल के अधिकारी व कर्मचारियों को सामग्री जमा करने के बाद भोजन की व्यवस्था कराई गई। उन्होंने विधान सभा चुनाव मतदान कार्य में लगे अधिकारी कर्मचारियों का शांतिपूर्ण तरीके से मतदान संपन्न कराने के लिए आभार जताया और शुभकामनाएं प्रेषित कर बधाई दी है। विधानसभा क्षेत्र बाड़ी,बसेड़ी ,राजाखेड़ा एवं धौलपुर के लिए अलग अलग मतदान समाग्री संग्रहण केन्द्र बनाए गए। इस अवसर पर मतदान कार्मिक एवं आलाधिकारी मौजूद थे।

सफलता एक दिन में नहीं मिलती,लेकिन एक दिन जरूर मिलती है: आरएएस ऋषिराज

नवचयनित आरएएस (एसडीएम) का साफा,माल्यार्पण व अम्बेडकर प्रतिमा भेंटकर किया सम्मानित

चमकता राजस्थान

शाहपुरा!(खलील कुरैशी) उपखंड के ग्राम बिदारा निवासी सीबीईओ गैंदालाल रैगर,पूर्व सरपंच गीगाराम,व्याख्याता बंशीधर वर्मा,वृद्धि चंद आदि ने रविवार को आरएएस (एसडीएम) में नवचयनित विराटनगर निवासी अध्यापक हरिराम रैगर के पुत्र ऋषिराज कपिल का निवास स्थान पर डॉ.अम्बेडकर प्रतिमा,साफा,माल्यार्पण व मिठाई खिलाकर अभिनन्दन किया ।सम्मान समारोह में सामाजिक कार्यकर्ता डॉ.पूरणमल बुनकर ने बताया कि कुशाग्र बुद्धि के धनी 22 वर्षीय ऋषिराज कपिल ने कक्षा दसवीं में 92.33% व बाहरवीं में 96.00% अंक प्राप्त कर आईआईटी में चयन हुआ था

लेकिन सिविल सेवा में विशेष रूचि के चलते दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक,स्नातकोत्तर कि शिक्षा ग्रहण करते हुए प्रथम प्रयास में ही आरएएस परीक्षा में सामान्य वर्ग से 534 वीं तथा एससी वर्ग से 12 वीं रैंक प्राप्त कर एसडीएम पद के लिए चयनित हुए है।आरएएस कपिल ने युवाओं को सफलता के लिए अपने लक्षय प्राप्ति तक कठिन ओर सतत प्रयास करना चाहिए क्योंकि कि सफलता एक दिन में नहीं मिलती,लेकिन एक दिन जरूर मिलती है।

ऋषिराज कपिल अपनी सफलता के प्रेरणास्त्रोत पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम,डॉ.भीमराव अम्बेडकर व आईएएस सुनील धंनवन्ता को मनाते है। सफलता का श्रेय दादा बाबुलाल,दादी विधा देवी,पिता हरिराम,माता मंजू देवी को दिया। कपिल का छोटा भाई पुष्पराज भारती भी बोर्ड परीक्षाओं में राज्यस्तरीय टॉपर है जो अब सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी कर रहा है ।इस अवसर पर डॉ.नरेश कुमार वर्मा, नर्सिंग ऑफिसर जयराम रैगर,इन्द्रजीत वर्मा,धनशयाम रैगर, हरिकिशन,उमराव डेरवाल, ओमप्रकाश,हनुमान सहाय,कविता देवी,सुनीता देवी,भाविका सहित क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

लोकतंत्र के महापर्व को सफल बनाने के लिए दीया कुमारी ने प्रदेश की जनता और कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया

चमकता राजस्थान/जयपुर,! (खलील कुरैशी)26 नवंबर। दीया कुमारी ने लोकतंत्र के महापर्व में समस्त प्रदेश वासियों का बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए आभार व्यक्त किया। दीया कुमारी ने कहा कि जनता ने प्रदेश के युवाओं के उज्ज्वल भविष्य, महिलाओं-बेटियों की सुरक्षा और राजस्थान की प्रगति के लिए मतदान करके अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई है। हम सभी के सामूहिक प्रयासों से ही लोकतंत्र और अधिक सुदृढ़ होता है। उन्होंने कहा लोकतंत्र को मजबूत बनाने हेतु अपनी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए जनता का हार्दिक आभार।

दीया कुमारी ने आगे कहा कि जिस ऊर्जा, उत्साह और विश्वास के साथ यह उत्सव मनाया गया, इससे यह सुनिश्चित होता है कि एक नए और बेहतर राजस्थान की नींव रखने वाली है। विद्याधर नगर सीट पर वर्ष 2018 के चुनाव के मुकाबले इस वर्ष में मतदान में बढ़ोतरी पर दीया कुमारी ने क्षेत्र के सभी मतदाताओं और कार्यकर्ताओं की सराहना की। कहा मुझे बहुत प्रसन्नता है कि क्षेत्र की जनता ने इस महापर्व में अपनी भागीदारी निभाई और ज्यादा से ज्यादा संख्या में मतदान किया। गौरतलब है कि विद्याधर नगर सीट पर वर्ष 2018 में 70.29 प्रतिशत मतदान हुआ था, वहीं वर्ष 2023 में 72.58 प्रतिशत मतदान हुआ है।

ग्राम - बेहटा में किया विशाल भंडारा आयोजन

चमकता राजस्थान

(बारां) सुमरन सिंह) -राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 , बारां किशनगंज - शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी लोकप्रिय समाज सेवक एक कुशल योग्य उम्मीदवार ललित मीना की जीत की मनोकामनाओं के लिए भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा अन्नकूट विशाल भंडारा का आयोजन किया , जिसके मुख्य आयोजक -रामदयाल मेहता, अरविंद मेहता ,सुरेंद्र मेहता, अनिल मेहता एवं समस्त ग्राम वासियों के सहयोग रहा । ललित मीणा जैसा ईमानदार कर्मनिष्ट व्यक्तित्व वाला प्रतिभाशाली युवा उम्मीदवार को फिर से विधायक के रूप में देखना चाहते है इसके लिए धर्म पुण्य कार्य किए जा रहे है '

भूमि कठोर पै रात कटै कहाँ, कोमल सेज पै नींद न आवत। कैं जुरतो नहिं कोदो सवाँ प्रभु, के परताप तै दाख न भावत,

कृष्ण सुदामा की मित्रता की कथा में भाव विभोर हुए श्रोता,कथा के अंतिम दिन कृष्ण-सुदामा मित्रता की कथा सुनाई

चमकता राजस्थान

बालेर-!(विशाल अग्रवाल) बालेर कस्बें शालाधाम मंदिर परिसर में आयोजन रामजीलाल गुप्ता,विजेन्द्र कुमार गुप्ता,कमलेश कुमार गुप्ता एवं विशाल अग्रवाल की ओर से चल रही संगीतमय भागवत कथा के अंतिम दिन रविवार को भागवताचार्य पंडित कैलाश चंद शास्त्री (कोसरा बाले) ने भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा चरित्र का वर्णन किया जिसे सुनकर श्रोता भावविभोर हो गए। सुदामा की दयनीय दशा और भगवान में निष्ठा के प्रसंग को सुनकर श्रद्धालुओं की आंखें भर आईं। आचार्य ने बताया कि यदि सुदामा दरिद्र होते तो अनके लिए धन की कोई कमी नहीं थी ।सुदामा के पास विद्वता थी और धनार्जन तो सुदामा उससे भी कर सकते थे। मगर सुदामा पेट के लिए नहीं बल्कि आत्मा के लिए कर्म कर रहे थे।आचार्य ने कहा कि जिसे भागवत ही परमशांत ही कहती हो उसे कौन दरिद्र घोषित कर सकता है ।पत्नी के कहने पर सुदामा का द्वारिका आगमन और प्रभु द्वारा सुदामा के सत्कार पर आचार्य बोले कि यह व्यक्ति का नहीं व्यक्तित्व का सत्कार है। आचार्य ने 'ऐसो को उदार जग माही, बिनु कारण जो द्रवै दीन पर, राम समान प्रभु नाही' के माध्यम से प्रभु की करुणा, कृपा आदि लीलाओं का वर्णन सुनकर सभी श्रोता भावुक हो गए ।मित्र का यही सबसे प्रथम कर्तव्य रहता है। उन्होंने कहा कि वह कृष्ण के मित्र हैं। इस पर द्वारपाल महल में गए और प्रभु से कहा कि कोई उनसे मिलने आया है ।अपना नाम सुदामा बता रहा है। जैसे ही द्वारपाल के मुंह से उन्होंने सुदामा का नाम सुना प्रभु सुदामा सुदामा कहते हुए तेजी से द्वार की तरफ भागे सामने सुदामा सखा को देखकर उन्होंने उसे अपने सीने से लगा लिया। सुदामा ने भी कन्हैया कन्हैया कहकर उन्हें गले लगाया और सुदामा को अपने महल में ले गए ।भूमि कठोर पै रात कटै कहाँ, कोमल सेज पै नींद न आवत। कैं जुरतो नहिं कोदो सवाँ प्रभु, के परताप तै दाख न भावत॥ सुदामा चरित भावार्थः जब सुदामा जी को श्रीकृष्ण की महिमा समझ आती है, तो वो उनकी महिमा गाने लगते हैं। इसके बाद सुखदेव जी महाराज का विधि विधान से पूजन किया गया ।इस अवसर पर कृष्णा सुदामा-रूकमणी की मनोरम सजीव झांकी सजाई। जिसे देखने के लिए महिला श्रदालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। कृष्ण-सुदामा के भजनों पर महिलाएं नाचने लगी। सजीव झांकी में मेघा अग्रवाल को कृष्ण व शिवानी शर्मा को राधा एवं दीपक सैन को सुदामा बनाया गया। सोमवार को हवन-पूजन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा।

बीजेपी ने चुनाव आयोग से की राहुल गांधी की शिकायत, एक्स अकाउंट बंद करने की मांग

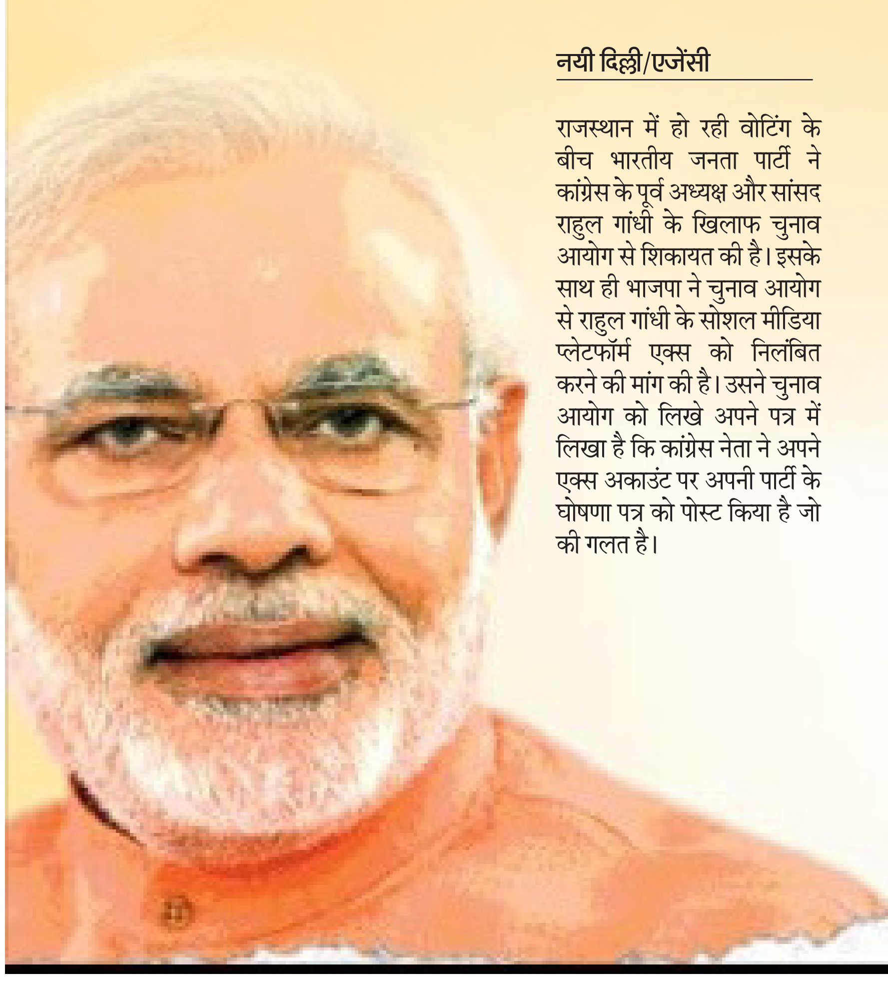

नयी दिल्ली/एजेंसी

राजस्थान में हो रही वोटिंग के बीच भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव आयोग से शिकायत की है। इसके साथ ही भाजपा ने चुनाव आयोग से राहुल गांधी के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को निलंबित करने की मांग की है। उसने चुनाव आयोग को लिखे अपने पत्र में लिखा है कि कांग्रेस नेता ने अपने एक्स अकाउंट पर अपनी पार्टी के घोषणा पत्र को पोस्ट किया है जो की गलत है।

राहुल गांधी के एक्स अकाउंट को बंद करने की मांग

» भाजपा ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा आज पोस्ट किए गए एक ट्वीट पर भारत के चुनाव आयोग को पत्र लिखा है, जिसमें अनुरोध किया गया है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' और उसके पदाधिकारियों को उनके खाते को तुरंत निलंबित करने और उपरोक्त 'अपमानजनक सामग्री को तत्काल प्रभाव से हटाने' का निर्देश दिया जाए। पार्टी आयोग से यह भी अनुरोध करती है कि वह राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक शिकायत दर्ज करने और आपराधिक मुकदमा शुरू करने के लिए मुख्य चुनाव अधिकारी राजस्थान को निर्देश जारी करे।

पनौती वाले बयान पर घिरे राहुल

» बता दें कि हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर विवादित बयान देकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी फंसते हुए नजर आ रहे हैं। चुनाव आयोग ने कांग्रेस नेता के दो बयानों को लेकर नोटिस जारी किया है। आयोग ने कांग्रेस नेता को 25 नवंबर तक का समय दिया है। इस समय सीमा तक राहुल गांधी को अपना जवाब चुनाव आयोग को देना है। इसमें उनका पीएम को पनौती और जेबकतरा वाला बयान शामिल है। दरअसल, राजस्थान विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए उन्हें पनौती कहा था और उनकी तुलना जेबकतरे तक से कर दी थी।

ऑगर मशीन टूट गई, सब्र भी दे रहा जवाब

अब मजदूरों को निकालने के लिए क्या विकल्प बचे हैं?

उत्तरकाशी/एजेंसी

जिले की सिलक्यारा सुरंग में फंसे 41 श्रमिकों को बचाने का सिलसिला अब 14वें दिन में पहुंच गया है। लेकिन इस दिन रेस्क्यू अभियान को एक झटका लग गया है। बताया गया कि जिस ऑगर मशीन से 'ड्रिल' की जा रही थी, वह खराब हो गई है। सुरंग विशेषज्ञ अर्नोल्ड डिक्स ने कहा है कि ऑगर टूट गई है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि पिछले कुछ दिन से ऑगर मशीन से ड्रिल करने के दौरान लगातार बाधाएं आ रही थीं। जब उनसे हाथ से अथवा लम्बवत ड्रिल करने जैसे अन्य विकल्पों के बारे में पूछा गया तो डिक्स ने कहा कि सभी विकल्पों पर विचार किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि हम जो भी विकल्प अपना रहे हैं उसके अपने फायदे और नुकसान हैं। हमें बचावकर्ताओं की और श्रमिकों दोनों की सुरक्षा सुनिश्चित करनी है। असल में अब सवाल यह है कि मजदूरों को निकालने के लिए अब क्या विकल्प बचे हैं।

● श्रमिकों के परिजन धैर्य खो रहे

» वहीं सुरंग में फंसे श्रमिकों के परिजन मशीन से ड्रिलिंग में बार–बार बाधा आने के कारण धीरे–धीरे धैर्य खो रहे हैं। बिहार के बांका निवासी देवेंद्र किस्कू का भाई वीरेंद्र किस्कू सुरंग में फंसे श्रमिकों में शामिल है। देवेंद्र ने निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि अधिकारी पिछले दो दिन से हमें भरोसा दिला रहे हैं कि उन्हें (फंसे हुए श्रमिकों को) जल्द ही बाहर निकाल लिया जाएगा, लेकिन कुछ ना कुछ ऐसा हो जाता है, जिससे प्रक्रिया में देर हो जाती है।

● प्लाज्मा मशीन से होगी ड्रिलिंग

» हालांकि उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बताया है कि सुरंग में फंसे मजदूरों को निकालने के लिए हैदराबाद से प्लाज्मा मशीन मंगाई गई है। इस मशीन के शाम तक पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने बताया है कि ऑगर मशीन टूटने के बाद प्लाज़्मा मशीन को ड्रिलिंग में लगाया जाएगा, जो एक घंटे में चार मीटर की खुदाई कर सकता है। यह भी बताया गया कि शुक्रवार को कुछ देर की ड्रिलिंग से पहले 800 मिलीमीटर चौड़े इस्पात के पाइप का 46.8 मीटर हिस्सा ड्रिल किए गए मार्ग में धकेल दिया गया था। सुरंग के ढहे हिस्से की लंबाई करीब 60 मीटर है। श्रमिकों तक भोजन एवं अन्य आवशत्र्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए छह इंच चौड़े ट्यूब को पहले ही 57 मीटर तक पहुंचा दिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि ऐसे में 10 से 12 मीटर के शेष हिस्से की हाथ से ड्रिलिंग पर विचार किया जा रहा है, लेकिन इसमें समय अधिक लगता है।

'40-50 साल पुराना है बीआरएस और कांग्रेस का रिश्ता'

पीएम मोदी ने पूछा- तेलंगाना बनने पर किस पार्टी के पास गए केसीआर ?

हैदराबाद/एजेंसी

तेलंगाना में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक दलों ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। चुनाव प्रचार भी अपने अंतिम दौर पर है। ऐसे में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कांग्रेस और भारत राष्ट्र समिति पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि वो काशी से सांसद हैं, जिसे शिव और गंगा की नगरी कहा जाता है। महेश्वरम की पुण्यभूमि पर आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। आप सभी ने इतनी बड़ी संख्या में यहां आकर राजनीति के ज्ञानियों को स्पष्ट संदेश दे दिया है कि तेलंगाना में भाजपा के लिए विश्वास लगातार बढ़ रहा है। तेलंगाना भाजपा को मौका देने के लिए यहां की जनता-जनार्दन तत्पर दिख रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने मतदाताओं को कांग्रेस और बीआरएस से सतर्क रहने की नसीहत दी। उन्होंने कहा कि बीआरएस और कांग्रेस एक-दूसरे पर आरोप लगाते हैं, लेकिन दोनों भीतर-भीतर मिले हुए हैं। इतिहास खोलकर देखेंगे तो पता चलेगा कि इनका रिश्ता 40-50 साल पुराना है। केसीआर ने कांग्रेस से अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की। 2004 में कांग्रेस ने केसीआर को कैबिनेट मिनिस्टर बनाया था। जब तेलंगाना बना तब केसीआर किस पार्टी के पास गए थे?

उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति चुनाव में द्रौपदी मुर्मु जी के खिलाफ बीआरएस ने कांग्रेस का समर्थन किया। उपराष्ट्रपति के चुनाव में भी बीआरएस ने कांग्रेस का साथ दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हमारी सरकार के खिलाफ कुछ समय पहले संसद में आए अविश्वास प्रस्ताव पर बीआरएस ने कांग्रेस का साथ दिया। बीआरएस का असली दोस्ती कांग्रेस से है।

पूर्व सांसद पप्पू यादव को एक वर्ष की जेल के साथ 10 हजार रुपए जुर्माना

पटना। सांसदों और विधायकों के आपराधिक मामलों की सुनवाई के लिए गठित बिहार में पटना स्थित एक विशेष अदालत ने पूर्व सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव को जहां एक मामले में एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा के साथ 10 हजार रुपए का जुर्माना किया वहीं एक अन्य मामले में उन्हें निर्दोष पाकर बरी कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार एमपी एमएलए कोर्ट की विशेष जज सारिका बहालिया ने एक पुराने मामले में पप्पू यादव को एक साल की सजा सुनायी है। यह मामला फुलवारी शरीफ में 2004 में दर्ज केस 840 से जुड़ा हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार 2004 में पप्पू यादव एक केस के सिलिसले में फुलवारी शरीफ जेल में बंद थे। छापेमारी के दौरान उनके मेडिकल वार्ड से मोबाइल फोन एवं इयरफोन बरामद किये गये थे। इसके बाद फुलवारी शरीफ थाना में केस दर्ज किया गया था। इस केस को बाद मे एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर किया गया था। सुनवाई के दौरान इस केस में अभियोजन पक्ष के तरफ से कई गवाह पेश किये गये और करीब 19 साल बाद इस मामले में पप्पू यादव को दोषी ठहराया गया। दोषी ठहराने के बाद कोर्ट ने एक साल की सजा और 10 हजार आर्थिक दंड की सजा सुनाई है। पप्पू यादव को इस केस में तत्काल जमानत मिल गयी है। वहीं 10 हजार की राशि नहीं देने पर उन्हें एक माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी।

अधिकांश पैसा कमाने वाले मंत्रालय केसीआर के परिवार के हाथों में हैं : राहुल गांधी

केसीआर और उनके सभी बीआरएस में परिवार के सदस्य भ्रष्ट : राहुल गांधी

हैदराबाद/एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शनिवार को चुनावी राज्य तेलंगाना के निज़ामाबाद जिले में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित किया। इस दौरान कांग्रेस नेता ने चंद्रशेखर राव (केसीआर) पर निशाना साधा और कहा कि केसीआर और उनके सभी भारत राष्ट्र समिति में परिवार के सदस्य भ्रष्ट हैं, और अधिकांश पैसा कमाने वाले मंत्रालय केसीआर के परिवार के हाथों में हैं।

● पैसा कमाने वाले मंत्रालय केसीआर के परिवार के हाथों में

राहुल गांधी ने कहा, 'सबसे ज्यादा पैसा कमाने वाले मंत्रालय केसीआर के परिवार के हाथों में हैं। ज्यादातर पैसा जमीन, शराब और रेत पर बनाया जाता है और ये सभी केसीआर और उनके परिवार के सदस्यों के नियंत्रण में हैं।' उन्होंने कहा कि, यदि आप (केसीआर) भ्रष्ट नहीं होते, तो ये तीन मंत्रालय आपके परिवार के हाथों में नहीं होते। आपके विधायक दलित बंधु योजना के तहत 3 लाख रुपये की कटौती करते हैं। आप एससी/एसटी उप-योजना से पैसा निकाल रहे हैं। जनसभा में मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा, 'पिछले दो साल में आपने 'दोराला' सरकार देखी है, एक परिवार की सरकार. अगले 10 साल आपको 'प्रजाला' सरकार देखने को मिलेगी।' तेलंगाना में कांग्रेस की छह गारंटियों की याद दिलाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा राहुल गांधी ने पहली गारंटी, महालक्ष्मी योजना पर प्रकाश डाला, जिसके तहत कांग्रेस तेलंगाना की महिलाओं को हर महीने 2500 रुपये प्रदान करेगी और किसी भी महिला को सरकारी बस के लिए भुगतान नहीं करना होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि जो एलपीजी गैस सिलेंडर अभी तक बीआरएस सरकार 1200 रुपये में उपलब्ध करा रही है, वह कांग्रेस शासन में 500 रुपये में दिया जाएगा। कांग्रेस नेता ने आगे इस बात पर जोर दिया कि कैसे इन योजनाओं के जरिए कांग्रेस तेलंगाना में लोगों का पैसा बचाने की कोशिश कर रही है। राहुल गांधी ने कहा, मैंने सभी कांग्रेस मुख्य मंत्रियों से कहा है कि जितना पैसा विपक्ष के लोग अरबपतियों को देते हैं और खुद पर खर्च करते हैं, उतना ही पैसा कांग्रेस पार्टी को देश के गरीब लोगों के बैंक खातों में डालना होगा।

कहीं आप भी ऐसे तो नहीं?

कभी-कभी व्यक्ति जैसा होता नहीं, वैसा बताने की बहुत कोशिश करता है, परंतु वह मूलरूप में वैसा नहीं होने के कारण असफल होता है। यह बात वर्तमान के आपाधापी वाले, भौतिकवादिता वाले समाज में ज्यादा दिखाई देती है। सामान्यत: औसत आदमी किसी न किसी की नकल करता हुआ आगे बढ़ता है, जिनमें स्वयं के चारित्रिक गुण उच्च होते हैं, आत्मविश्वास होता है, वे धीरे-धीरे अपना नया मार्ग बनाते हुए अपनी मंजिल को पाने में सफल हो जाते हैं, परंतु अधिकतर औसत से कम बुद्धि या कम चारित्रिक गुणों वाले लोग हर क्षण किसी की नकल करके व अपने निकृष्ट गुण (अवगुण) जैसे- चापलूसी, स्वार्थीपन, स्वाभिमानहीनता, दिखावटीपन के कारण धीरे-धीरे दबे कदमों से वैसा ही स्थान पाने में सफल हो जाते हैं जैसा स्थान उस व्यक्ति का होता है, जिसकी वे नकल उतारते रहे हैं। अब विडंबना ही कहना चाहिए कि वर्तमान में ऐसे नकली लोगों का ही समाज में बोलबाला है।

एक बार एक बहुप्रतिष्ठित संस्था में अच्छे, चरित्रवान, निष्ठावान कर्मचारियों में एक ऐसे व्यक्ति 'क'की नियुक्ति हो जाती है, जो अपने शैक्षणिककाल में कभी-भी ईमानदार नहीं रहा। जैसे-तैसे थर्ड डिवीजन में बीए-एमए की परीक्षाएँ पास करके, पत्राचार द्वारा डिग्रियाँ हासिल करके वह उस संस्था में आ तो गया है, परंतु वहाँ के नियम, अनुशासन, तत्वनिष्ठा आदि बातों को बाहरी चोले के रूप में धीरे-धीरे अपने ऊपर ओढ़ता चला गया, परंतु अंदर से बदलाव असंभव था।

संस्था के वरिष्ठतम व्यक्ति तक अपनी मीठी वाणी, चापलूसी, दिखावटीपन के कारण उसकी पहुँच हो गई, वह 'क' उनके हर छोटे-बड़े काम बड़ी ही तत्परता से, आत्मीयता से करता। जिस प्रकार पैसे का मोह व्यक्ति को अंधा बना देता है, उसी प्रकार आत्म-स्तुति, आत्ममुग्धता में महान व्यक्ति भी अंधा हो जाता है।

बस, इसी बात का फायदा 'क' जैसे व्यक्ति लिया करते हैं, क्योंकि वे भी वरिष्ठ लोगों को चापलूसी-झूठी प्रशंसा आदि से अंधा बना देते हैं।

'क' जैसे व्यक्ति मूलरूप में अत्यंत खोखले होते हैं, परंतु आसपास के लोगों जैसा बनने का असफल (वर्तमान में वही सफल) प्रयास करते हैं, परंतु उनमें मौलिकता का अभाव पाया जाता है।

उन्हें कभी ऐसा क्यों नहीं लगता कि ये तो सब नकली हैं, एक न एक दिन लोगों को सचाई का पता चल ही जाएगा, तब क्या होगा? परंतु वे इसकी परवाह नहीं करते। उन्हें इस बात का अहसास ही नहीं होता कि वे कुछ गलत कर रहे हैं।

अब निशा को ही लीजिए। उसकी एक आदत बड़ी बुरी है कि वह दूसरे की पूरी बात सुनने के पहले ही तपाक् से अपनी प्रतिक्रिया देती है और दूसरों से हर क्षेत्र में बढ़-चढ़कर अपनी बात ऊँची आवाज में कहने लगती। फिर चाहे जो विषय हो, उसे हमेशा दूसरे को नीचा दिखाने या असफल सिद्ध करने की मंशा होती है।

हर किसी बात पर निशा के पास बढ़-चढ़कर शब्द संग्रह है, फिर चाहे बात सफाई की हो, बीमारी की हो, अच्छी आदतें/ संस्कार की हो, धार्मिक आयोजन, प्रथाएँ, चढ़ावे, रसोई आदि कोई भी हो, दूसरों पर हावी होने का एक भी अवसर निशा नहीं छोड़ती। निशा की असल जिंदगी में झाँककर देखा जाए तो वैसा कुछ भी नहीं होता, जिनका बखान वह करती है।

ऐसा लगता है कि क्या ऐसे लोग धरातल पर नहीं रह सकते? क्यों ये लोग दूसरों की हर हरकत की नकल करते हैं, दिखावे व बनावटीपन में जीते हैं? क्योंकि ऐसे लोगों को स्वयं पर, परिवार वालों पर, अपनी भाषा, संस्कृति, रीति-रिवाज, अपनापन आदि पर श्रद्धा नहीं होती, इसलिए ऐसे लोग सदैव जैसे होते नहीं वैसा दिखाने की कोशिश करते हैं। अंतत: परिणाम यह होता है कि निराशा, दुख आदि के फलस्वरूप वे अपनी बुनियाद कमजोर करते हैं।

रेस्त्रां में अकेले जाने से अब मैं नहीं डरती!

अचला जब गाँव से शहर पढ़ने को आई तो रूम किराए पर लेकर रहने लगी और भोजन के लिए उसने टिफिन सेंटर से टिफिन लगवा लिया। लेकिन सप्ताह में एक बार टिफिन वाले की छुट्टी होने से अचला ने सोचा चलो, सप्ताह में एक दिन व्रत कर लेंगे। फिर भी बात नहीं बनी तो वह घर पर ही झटपट खाने से काम चलाने लगी। लेकिन 2-3 माह बाद अचला ने सोचा, इस तरह सेहत के साथ समझौता करना ठीक नहीं, क्यों न एक दिन किसी रेस्त्रां में जाकर भोजन कर लिया जाए! उसका आस-पास कोई मित्र भी नहीं था जिसके साथ वह रेस्त्रां जा सके। अकेले रेस्त्रां जाने में शुरू में तो अचला को थोड़ी हिचक हुई लेकिन अब वह पूरे आत्मविश्वास के साथ अकेली रेस्त्रां में बैठकर भोजन करती है।

अचला बताती है कि जब आप घर से निकलें तो आपमें हर काम स्वयं करने की हिम्मत और आत्मविश्वास होना चाहिए। फिर भले ही वह खरीदारी हो, बैंक के काम हों, अपने लिए रूम ढूँढने की बात हो या फिर अकेले रेस्त्रां में बैठकर भोजन करना हो। बकौल अचला, "जरूरी नहीं कि हरदम कोई आपके साथ हो। इसलिए, अब मैं अकेले हर काम बिना किसी डर या हिचक के बिन्दास होकर करती हूँ।'

अचला की तरह अधिकांश लड़कियाँ आत्मविश्वासी नहीं होती हैं। वे अकेले कहीं जाने में हिचकिचाती हैं, संकोच करती हैं। खरीदारी करने, फिल्म देखने जाने या रेस्त्रां में जाने के लिए किसी का साथ ही ढूँढती रहती हैं और साथ न मिलने पर मन मसोस कर रह जाती हैं। दरअसल उनमें अकेलेपन का फोबिया है। वे इस भ्रम में जीती हैं कि रेस्त्रां में घुसते ही सब उन्हें ही देखने लगेंगे। लोग सोचेंगे कि ये अकेली ही भोजन कर रही है। जबकि ऐसा नहीं है। अधिकतर लोग अपने साथ वालों के साथ मशगूल रहते हैं। आप यह बात अपने दिलो-दिमाग में दर्ज कर लें कि आपके रेस्त्रां में अकेले पहुँचने का मतलब सिर्फ यह नहीं है कि आपका कोई मित्र नहीं है। इसका मतलब यह भी हो सकता है कि आप शहर में अकेली हैं, किसी काम के सिलसिले में बाहर से आई हैं और इस अकेलेपन को इंजॉय कर रही हैं। यही नहीं, आपके इस अकेलेपन से कई दूसरे अकेले प्रेरणा ले सकते हैं बशर्ते आप उन्हें खुश नजर आएँ। जब भी आप अकेली रेस्त्रां में जाएँ तो घबराएँ या हिचकिचाएँ नहीं बल्कि बिन्दास होकर भोजन का मजा लें।

रेस्त्रां में अकेले जाने पर ये उपाय अपनाएँ:

- रेस्त्रां में घुसते ही सिर झुका लेने के बजाए सीधा रखें और स्वयं में आत्मविश्वास रखें।
- अपना ध्यान खाने पर लगाएँ, उसे एन्जॉय करें।
- भीड़ की परवाह न करें। सोचें कि भीड़ में कैसे-कैसे विचित्र जोड़े हैं।
- रेस्त्रां में बैठे तमाम जोड़ों की कहानियों की कल्पना करें और अपने मन मुताबिक निष्कर्षों पर पहुँचकर मुस्कराएँ।
- अगर आपके पास मोबाइल हो तो आप उससे बात, एसएमएस या नेट एक्सेस करके अपने कुछ काम कर सकती हैं।
- ऑर्डर आने तक न्यूजपेपर या मैग्जीन पढ़ें।

वादा कर ले साजना

प्यार के अहसास को विश्वास में बदलने के लिए जरूरी है दिल से किया गया वादा। लेकिन वादा वही करें जो आप निभा सकें। किसी भी रिश्ते की बुनियाद प्यार और विश्वास पर टिकी होती है। वादा लफ्ज है, जिसके बूते लो ग सालों तक जिंदगी बिता लेते हैं

सच यही प्यार है

जीवन में प्यार कम लोगों को ही नसीब होता है। इसलिए अपने पार्टनर के प्रति वफादार रहना चाहिए। एक-दूसरे से किए वादे को निभाना चाहिए। जब तक रिश्ते में मजबूती न हो, तब तक रिश्ते कामयाब नहीं होते और वादे रिश्तों को मजबूत करने में मदद करते हैं। प्यार करने वालों को एक-दूसरे से कई अपेक्षाएं होती हैं। अपने पार्टनर से किसी तरह का प्रॉमिस किया हो तो उसे तोड़ें नहीं, न ही पार्टनर से कुछ छिपाएं। यह रिश्ते के लिए खतरनाक है।

शर्त नहीं

कहते हैं प्यार किया नहीं जाता, हो जाता है। इसमें कोई शर्त नहीं होती। प्यार हमेशा पूर्णता की मांग करता है। सच्चा प्यार वैसा ही होता है, जैसे मां और बच्चे का प्यार। इस प्यार में पाने-खोने का हिसाब नहीं होता लेकिन जब दो अजनबी प्यार में बंधकर एक-दूसरे के साथ जिंदगी जीने का सपना बुनते हैं, तो कहीं न कहीं असुरक्षा की भावना बनी रहती है। इन हालात में या हर हाल में जीवन भर साथ निभाने का प्रॉमिस दिल से असुरक्षा की भावना को निकाल देता है।

खुशियों का वादा

यह कहना आसान है पर करना कठिन। अपने प्रियजनों के चेहरे पर मुस्कान लाना कोई बच्चों का खेल नहीं है। जाने-अनजाने में अकसर आपके मुंह से निकले अपशब्द अपनों को ठेस पहुंचाते हैं। अपनों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए आप प्रॉमिस करती हैं तो आप जानबूझकर कभी किसी का दिल नहीं दुखा सकतीं।

बुनें रिश्तों को

हर नए साल हम कुछ वादे करते हैं। कुछ प्यार के वादे कुछ बदलाव के वादे। पर कुछ ही दिनों में ये वादे खिड़की से निकलकर हवा हो जाते हैं। इसलिए वादे के पक्के बनें। हर साल आपके रिश्तेंमें मजबूती बनी रहे, इसके लिए वादा करें और उन वादों को निभाएं। ऐसा करने से आपके रिश्ते में नयापन आएगा। जिंदगी को नया नजरिया देने के लिए गंभीरता से इन वादों को महत्व दें।

आवेश नहीं सही

प्यार के रिश्ते में भावनाओं का नियंत्रणबेहद जरूरी है। आवेश में किए गए बड़े-बड़े वादे पूरे नहीं होने पर पार्टनर को ठेस पहुंचती है। इसलिए वही वादे करें, जिन्हें आप सच्चे दिल से जो आप निभा सकें। अधूरे वादे या वादे को पूरा न कर पाना किसी भी रिलेशनशिप को पलभर में तोड़ सकता है। वादा कोई भी हो बस वह आपके प्यार को खास होने का अहसास कराने का जरिया है।

आम्रखंड

सामग्री: 2 तोतापरी आम, चक्का 500 ग्राम, 750 ग्राम पिसी चीनी, केसर, मेवा कतरन, पिसी इलायची।

विधि: एक आम को छीलकर बारीक काट लें, एक आम का गूदा निकाल लें और मिक्सी में पिस लें। चक्के में पिसी इलायची पावडर, मेवा, केसर और आम के टुकड़े मिलाएँ और ठंडा करके सर्व करें।

हेल्थ प्लस

फूड्स दैट फाइट्स हेडएक

आलू- हैंगओवर से संबंधित हेडएक न सिर्फ डिहाइड्रेशन के कारण होता है बल्कि एलेक्ट्रोलिट्स जैसे पोटैशियम की कमी के कारण भी होता है। ऐसे में पोटैशियम से भरपूर भोजन ही इस प्रकार के सिरदर्द को कम करने में मददगार हो सकता है। आलू में अधिक मात्रा में पोटैशियम पाया जाता है। जैसे,100 ग्राम छिलके सहित पके हुए आलू में 600 एमजीएस पोटैशियम की मात्रा पाई जाती है।

कॉफी- सिरदर्द की शिकायत वालों के लिए कॉफी में मौजूद कैफीन फायदेमंद होने के साथ हार्मफुल भी हो सकता है। ओटीसी हेडएक मेडिकेशन में कैफीन कॉमन इनग्रेडिएंट होता है, जो सिरदर्द के इलाज में 40 प्रतिशत अधिक प्रभावकारी होता है। यह शरीर को हेडएक ड्रग्स को एब्जॉर्ब करने में भी फुर्ती दिखाता है, जिससे तुरंत ही आराम मिलता है। वैसे तो यह माइग्रेन में प्रभावकारी हेडएक रेड्यूसर है पर इसके अधिक सेवन से बचें। दिनभर में दो से तीन बार ही कॉफी लें।

केला- इसमें पोटैशियम और मैग्नीशियम की मात्रा भरपूर होती है। मीडियम केले में 467 एमजीएस पोटैशियम होता है। प्रतिदिन के सेवन के हिसाब से 10 प्रतिशत मैग्नीशियम शरीर के लिए आवश्यक होता है, जो मीडियम साइज केले से प्राप्त किया जा सकता है। पोटैशियम हैंगओवर से संबंधित सिरदर्द कम करता है वहीं मैग्नीशियम माइग्रेन और तनाव के कारण होने वाले सिरदर्द को कम करता है। कई अध्ययन मैग्नीशियम डेफिसिएंसी और माइग्रेन हेडएक के बीच संबंध की वकालत करते हैं। अध्ययन में शामिल कुल व्यक्तियों में से माइग्रेन से ग्रस्त लोगों के खून में आयोनाइज्ड मैग्नीशियम की मात्रा में कमी पाई गई। केले में पाया जाने वाला मैग्नीशियम सिरदर्द कम करने के साथ ब्लड वेसल्स को रिलैक्स भी करता है। इसमें मौजूद कार्मिंग इफेक्ट टेंशन हेडएक को कम करने में मददगार होता है। ड्राइड एप्रिकॉट्स, एवोकैडो, बादाम, काजू, ब्राउन राइस, फली और सीड्स मैग्नीशियम रिच फूड हैं।

होल ग्रेन- जब आप लो कार्बोहाइड्रेट डाइट फॉलो करती हैं, तो दिमाग तक पहुंचने वाले एनर्जी के मुख्य स्रोत ग्लाइकोजेन स्टोर्स की कमी होने लगती है। इससे शरीर में फ्लूड लॉस भी में वृद्धि होने लगती है, जिससे डिहाइड्रेशन की समस्या शुरू हो जाती है। डिहाइड्रेशन और मस्तिष्क में एनर्जी की कमी के कारण हेडएक शुरू होता है। जब आप हेल्थ कार्ब्स जैसे-व्हीट ब्रेड, होल ग्रेन सीरियल्स, ओटमील और फलों को अपना डाइट में शामिल करेंगी, तो इससे न सिर्फ हेडएक दूर भागेगा बल्कि मूड भी इम्प्रूव होगा।

वाटरमेलन/वाटर- डिहाइड्रेशन सिरदर्द का आम कारण है इसलिए खूब पानी पीना चाहिए। जिन फलों में पानी की मात्रा अधिक (वाटरमेलन) होती है, का सेवन अधिक करें। यह सिरदर्द को रोकने में सहायक होता है। वाटर-रिच फूड में महत्वपूर्ण मिनरल मैग्नीशियम भी मौजूद होते हैं। देर तक एक्सरसाइज करने से जब शरीर में मिनरल की कमी हो जाए, तो एलेक्ट्रोलिट स्पोर्ट्स ड्रिंक भी ले सकती हैं।

अदरक- उल्टी में फायदेमंद अदरक, एन्टी-इनफ्लेमेटरी और एन्टीहिस्टेमाइन प्रॉपर्टीज से भरपूर होता है, जो हेडएक से लड़ने के लिए फायदेमंद माना गया है। इसे चाय में डालकर पीने से भी सिरदर्द में बहुत हद तक आराम पहुंचाता है।

तिल- यह विटामिन ई रिच है, जो एस्ट्रोजेन लेवल को स्थिर करने और पीरियड्स के दौरान होने वाले माइग्रेन को रोकता है। इसमें मैग्नीशियम भी मौजूद होता है, जो सिरदर्द को कम करने में मददगार है। विटामिन ई से भरपूर फूड्स में शामिल है नट्स, ऑलिव ऑयल, ओटमील और स्वीट पोटैटोज।

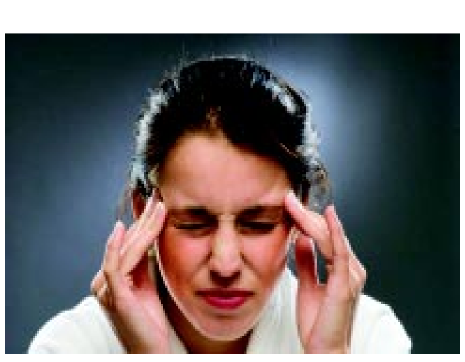

सिरदर्द के कई कारण होते हैं, जो शारीरिक और मानसिक असंतुलन होने के लक्षणों में से एक है। जहां कई फूड्स सिरदर्द को बढ़ाते हैं वहीं कुछ ऐसे भी होते हैं, जो हेडएक को कम करते हैं

माइग्रेन के पीछे होने वाले कारणों का भी पता अब तक मेडिकल साइंस नहीं लगा पाया है। बस इतना पता चला है कि माइग्रेन का दर्द सिर के केवल एक भाग में होता है। दर्द के दौरान ब्रेन में खून पहुंचाने वाली नसें खुद ही सिकुड़ने और बढ़ने लगती हैं। इसी वजह से असहनीय दर्द होता है

बोटोक्स कराएं माइग्रेन भगाएं

इस समय करीब 40 फीसद लोग माइग्रेन से जूझ रहे हैं। इनमें से आधे से अधिक यानी 65 प्रतिशत आबादी महिलाओं की है, जो माइग्रेन से नियमित तौर पर दुखी रहती हैं। आंकड़े और शोध बताते हैं कि महिलाएं इस बीमारी से पुरुषों की तुलना में अधिक प्रभावित होती हैं। माइग्रेन कभी भी अटैक कर सकता है, इसका कोई निश्चित समय नहीं होता। अटैक के दौरान मरीज को उल्टी, चक्कर और घबराहट होते हैं। खास तो यह है कि ऐसे दौर में जब कठिन से कठिन बीमारी के भी इलाज या बचाव दुनिया में ढूंढ लिए गए हैं, माइग्रेन का न तो कोई इलाज है और न ही बचाव।

माइग्रेन के इलाज की दिशा में बोटोक्स ने लाभकारी कदम उठाया है। कई रिसर्च बताते हैं कि कॉस्मेटिक सर्जरी के अंतर्गत आने वाला बोटोक्स माइग्रेन को दूर रखने के लिए लाभकारी है। बोटोक्स से माइग्रेन का इलाज संभव है। गौरतलब है कि बोटोक्स के इंजेक्शन झुर्रियों को दूर करने के लिए लगाए जाते हैं। ये इंजेक्शन माथे की झुर्रियां दूर करके नसों में कसाव लाते हैं और नसों को सिकुड़ने नहीं देते। अगर माइग्रेन का मरीज बोटोक्स के इंजेक्शन सही तरीके से लगवाए तो उसका माइग्रेन दूर किया जा सकता है। ये इंजेक्शन सिर के उस भाग में लगाए जाते हैं, जो इस दर्द का केंद्र होता है। 'बोटोक्स से माइग्रेन के 80 फीसद मरीजों को लाभ पहुंचता है। ये इंजेक्शन ट्रिगर प्वाइंट्स पर लगाए जाते हैं, जो मुख्यत: तीन हैं- आईब्रोज के बीच, ललाट पर और सिर के पीछे, जिसे ऑकिपिटल बो न कहते हैं। बोटोक्स के इंजेक्शन अमूमन पांच महीने बाद लगाने की जरूरत दोबारा पड़ती है।'

माइग्रेन के इलाज में बोटोक्स की भूमिका पर सर 'दोतीन साल से माइग्रेन के लिए बोटोक्स लगवाने का चलन निकला है। दरअसल बोटोक्स मुख्यत: उन मरीजों के लिए है, जो दवाइयों से ठीक नहीं होते। इसमें 20 छोटी सुइयां लगाई जाती हैं, जिससे दर्द तो होता ही है।' माइग्रेन के पीछे होने वाले कारणों का भी पता अब तक मेडिकल साइंस नहीं लगा पाया है। बस इतना पता चला है कि माइग्रेन का दर्द सिर के केवल एक भाग में होता है। दर्द के दौरान ब्रेन में खून पहुंचाने वाली नसें खुद ही सिकुड़ने और बढ़ने लगती हैं। इसी वजह से असहनीय दर्द होता है। खास तो यह भी है कि माइग्रेन का दर्द कई दफा पेन किलर के खाने से दूर नहीं होता। बस प्रभावित व्यक्ति शांत अंधेरे कमरे में चुपचाप लेट जाए, यही इससे छुटकारा पाने का रास्ता है। 'बोटोक्स उन मरीजों को भी लगाए जाते हैं, जो दवाइयां लेने की स्थिति में नहीं होते हैं, जैसे पायलट। इसका कोई खास साइड इफेक्ट नहीं है, केवल इसके कि हल्का सा दर्द होता है, साथ ही सूजन भी। जहां बोटोक्स के इंजेक्शन लगाए जाते हैं, वहां की मांसपेशियां चार-पांच दिन के लिए कमजोर हो जाती हैं।'

लक्षण

- सिर के एक हिस्से में दर्द
- हथौड़े मारने जै सा अहसास
- रोशनी में चुभन महसूस
- अंधेरे में राहत
- उल्टी
- खाने की इच्छा नहीं।

सेहत की ए, बी, सी

'अवेयरनेस' 'बैलेंसिंग' और 'कंट्रोल'

तनाव के समय अक्सर घूमने जाना, एक्सरसाइज करना, संतुलित भोजन लेना और डॉक्टर के निर्देश के अनुसार दवाइयाँ खाना- इन सब चीजों का रूटीन बिगड़ जाता है। सवाल है इन परिस्थितियों से बचाव के लिए क्या करें? इसके लिए चिकित्सक एबीसी का फार्मूला अपनाने की सलाह देते हैं।

'ए' का अभिप्राय है, 'अवेयरनेस' यानी कोई भी समस्या जब पैदा होती है तो उसके प्रति हमें पूरी तरह से सजग-सचेत होना चाहिए। इसमें किसी की प्रेरणा हमारे लिए सहायक सिद्ध हो सकती है या हम अपना स्वयं का नजरिया सकारात्मक बनाएँ जिससे हम समस्या को अपने पास फटकने से पहले ही उसे दूर भगा दें।

'बी' यानी 'बैलेंसिंग' यानी सही और गलत के बीच संतुलन कायम रखने की क्षमता का अपने भीतर पैदा करना।

'सी' का अभिप्राय है कंट्रोल यानी विपरीत स्थितियों पर प्रतिक्रिया को नियंत्रण में रखना। इन तमाम चीजों के अलावा हम पर हमारी भावनाएँ हावी होकर हमारे स्वास्थ्य पर बुरा असर न डालें, इसके लिए जरूरी है कि हम संतुलित भोजन लें, समय पर भोजन करें और पर्याप्त नींद लें। किसी भी तरह का नशा न करें। अपनी समस्या को लेकर अपने आपको परेशानी में न रखें।

एक नजर

भारत के सहयोग के बिना नेपाल में असंभव थी गणतंत्र की स्थापना : प्रचंड

काठमांडू। नेपाल में राजतंत्र की पुनर्बहाली को लेकर चल रहे प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल 'प्रचंड' ने देश में लोकतंत्र और गणतंत्र की स्थापना में भारत की भूमिका का स्मरण करते हुए नई दिल्ली की प्रशंसा की है। प्रचंड ने कहा कि भारत के सहयोग के बिना नेपाल में गणतंत्र की स्थापना असंभव थी। प्रधानमंत्री निवास में आयोजित एक कार्यक्रम में प्रधानमंत्री प्रचंड ने दावा किया कि नेपाल में राजतंत्र खत्म कर गणतंत्र की स्थापना में माओवादियों के द्वारा दस वर्षों तक किए गए सशस्त्र विद्रोह की तो भूमिका रही ही है, इसमें भारत की भी भूमिका रही है। प्रधानमंत्री ने पिछले कुछ दिनों से राजतंत्र की पुनर्बहाली के पक्ष में चल रहे प्रदर्शनों पर कहा कि देश में सैकड़ों लोगों के बलिदान के बाद स्थापित गणतंत्र की रक्षा के लिए वो हर तरह का बलिदान देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने सैकड़ों बलिदान से प्राप्त इस उपलब्धि की रक्षा के लिए सभी लोकतांत्रिक दलों को एकजुट होने की भी अपील की।

सिलक्यारा निर्माणाधीन सुरंग हादसा : प्लाज्मा कटर पहुंचा सिलक्यारा, रेस्क्यू ऑपरेशन ने पकड़ी रफ्तार

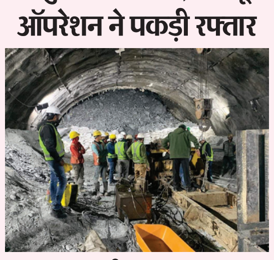

उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी की सिलक्यारा निर्माणाधीन सुरंग हादसा को रेस्क्यू ऑपरेशन का आज 15वां दिन है। आज राहत भर खबर आयी है कि हैदराबाद से जो प्लाज्मा कटर मंगाया गया था, वह वहां पर पहुंच चुका है और उसने अपने काम करना शुरू कर दिया है। इसमें टनल में विभिन्न राज्यों के 41 श्रमिक फंसे हुए हैं। गौरतलब है कि पिछले दो दिनों से ऑगर ड्रिलिंग मशीन का कार्य बंद था। अब ऑगर ड्रिलिंग मशीन के फंसे हिस्सों को काटने के लिए ऑपरेशन शुरू कर दिया गया है। उम्मीद है कि जल्द कटिंग का कार्य पूरा होगा। इसके बाद पारंपरिक तरीके से मैनुअली खुदाई कार्य शुरू किया जायेगा। दिल्ली से पारंपरिक सुरंग की एक्सपर्ट टीम सिलक्यारा में रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए पहुंच चुकी है। यह पारंपरिक तरीके से सीवरेज में सुरंग का काम करते हैं। बताया जा रहा है कि जब प्लाज्मा कटर से कुछ घंटों के बाद सुरंग के अंदर अमेरिका की ऑगर ड्रिलिंग मशीन के फंसे हिस्सों को टुकड़ों में काट कर बाहर निकालेंगे, तब दिल्ली से आई एक्सपर्ट टीम के सदस्य अंदर घुसेंगे और पारंपरिक तरीके से मैनुअली खुदाई का काम करेंगे। इसमें लगभग 12-14 मीटर खुदाई कार्य किया जायेगा। अब श्रमिकों को इस तरह से बाहर निकालने में सफलता मिलेगी। हो सकता है कि ऐसे में रेस्क्यू टीम को वर्टिकल ड्रिलिंग की जरूरत न पड़े। युग में विज्ञान को चमत्कार मान रहा है, लेकिन नवयुग कंपनी के इंजीनियर और पदाधिकारी भी अब विज्ञान के आगे हाथ खड़े कर आस्था का सहारा लेने लगे हैं। जी हां, हम बात रहे हैं सिलक्यारा निर्माणाधीन टनल में कार्य कर रहे एनएचडीसीएल कंपनी की अंडरटेकिंग नवयुग कंपनी की है। यह कंपनी टनल का कार्य कर रही है। यह वही कंपनी है, जिसने बहुत पहले से सुरंग के मुंहाने पर बने बाबा बौखनाग के मंदिर को किनारे करते हुए अपना निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। हालांकि हादसे के बाद उन्होंने सांकेतिक रूप से बाबा बौखनाग के मंदिर को स्थापित कर दिया था। अब जब पिछले 12 नवंबर से 41 श्रमिक टनल के अंदर फंसे हुए हैं और अमेरिका की आधुनिक तकनीकी से निर्मित ऑगर ड्रिलिंग मशीन से लेकर दुनिया भर के एक्सपर्टों ने पहाड़ के आगे घुटने टेक दिए, तब रविवार सुबह को नवयुग कंपनी के प्रोजेक्ट मैनेजर ने बौखनाग के थान भाटिया गांव पहुंचकर बाबा से श्रमिकों को बाहर निकालने की विनती की। इस पर बाबा बौखनाग ने प्रोजेक्ट मैनेजर को आशीर्वाद देते हुए कहा है कि 3 दिन के भीतर सभी श्रमिक सुरक्षित बाहर निकलेंगे,लेकिन उन्होंने एक शर्त जरूर रखी।

चीन में रहस्यमयी बीमारी, भारत में एडवाइजरी जारी: राज्यों से कहा- ऑक्सीजन-दवाएं तैयार रखें

चीन। चीन की रहस्यमयी बीमारी पर भारत सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को एडवाइजरी जारी की है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से पब्लिक हेल्थ सिस्टम को अपडेट करने के लिए कहा है। साथ ही किसी बड़ी बीमारी के फैलने को लेकर अस्पतालों में तैयारी करने को कहा है। एडवाइजरी के मुताबिक अस्पतालों में स्टाफ, बेड, जरूरी दवाएं, ऑक्सीजन, एंटीबायोटिक्स, PPE किट, टेस्टिंग किट की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने निर्देश में कहा कि अस्पतालों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि उनके ऑक्सीजन प्लांट और वेंटिलेटर्स सही काम रहे हों। साथ ही संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए बनाए गए इंफेक्शन कंट्रोल प्रोटोकॉल की समीक्षा करनी चाहिए। 24 नवंबर को हेल्थ मिनिस्ट्री ने बताया था कि वो चीन में फैल रही रहस्यमयी बीमारी पर नजर रख रही है। हेल्थ मिनिस्ट्री ने कहा था- चीन में बच्चों में H9N2 मामलों और सांस से जुड़ी बीमारी के फैलने की बारीकी से निगरानी की जा रही है। वहीं, चीनी अधिकारियों का कहना है कि मार्च तक इस बीमारी का खतरा ज्यादा है। इसके अलावा अधिकारियों ने कोविड-19 संक्रमण के फिर से बढ़ने के खतरे को लेकर भी चेतावनी दी है। दरअसल, 23 नवंबर को चीनी मीडिया ने स्कूलों में एक रहस्यमय बीमारी फैलने की बात कही थी। पीड़ित बच्चों में फेफड़ों में जलन, तेज बुखार, खांसी और जुकाम जैसे लक्षण दिखाई दे रहे हैं। बीमारी को फैलने से रोकने के लिए स्कूलों में छुट्टी कर दी गई। इसके चलते चीन की राजधानी बीजिंग और उसके 500 मील (करीब 800 किमी) के दायरे में सभी अस्पताल मरीजों से भर गए। अलजजीरा के मुताबिक, बीजिंग के एक अस्पताल में इस बीमारी से पीड़ित करीब 1200 मरीज हर दिन इमरजेंसी में भर्ती हो रहे हैं। वहीं, वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन (WHO) ने बताया कि चीन ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सांस से जुड़ी एक बीमारी फैलने की जानकारी दी थी।

दुनियाभर में अलर्ट जारी- प्रो-मेड नाम के एक सर्विलांस प्लेटफॉर्म ने चीन में निमोनिया को लेकर दुनियाभर में अलर्ट जारी किया है। ये प्लेटफॉर्म इंसानों और जानवरों में फैलने वाली बीमारियों की जानकारी रखता है। प्रो-मेड ने कोरोना को लेकर भी दिसंबर 2019 में एक अलर्ट जारी किया था। प्रो-मेड की रिपोर्ट के मुताबिक ये अभी तक पता नहीं चल पाया है कि इस बीमारी ने कब फैलना शुरू किया। प्लेटफॉर्म ने ये भी नहीं बताया कि ये बीमारी सिर्फ बच्चों तक सीमित है या युवाओं और बुजुर्गों को भी अपनी चपेट में ले रही है। बीजिंग के अस्पतालों में फिर मरीजों की भारी भीड़ इकट्ठा होने लगी है। ये फुटेज एरिक फीगल-डिंग ने शेयर की है। ये कोरोना के वक्त भी दुनिया के सामने चीन के हालात लाए थे। बीजिंग के अस्पतालों में फिर मरीजों की भारी भीड़ इकट्ठा होने लगी है। ये फुटेज एरिक फीगल-डिंग ने शेयर की है। ये कोरोना के वक्त भी दुनिया के सामने चीन के हालात लाए थे। पिछले हफ्ते चीन के नेशनल हेल्थ कमीशन ने निमोनिया फैलने की वजह कोरोना पाबंदियों का हटना बताया था। WHO ने बीमारी की जांच के लिए चीन में हाल फिलहाल में फैले सभी तरह के वायरस की सूची मांगी है। वहीं, लोगों से कहा है कि वो मास्क पहन कर रखें और सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें। WHO ने अभी तक रहस्यमयी बीमारी के महामारी होने पर कोई जानकारी नहीं दी है। वहीं, सर्विलांस प्लेटफॉर्म प्रो-मेड ने भी कहा कि इसे महामारी कहना गलत और जल्दबाजी होगा। इस वक्त चीन में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। तापमान जीरो डिग्री के करीब पहुंचने की संभावनाएं हैं।

गुजरात के मुख्यमंत्री पटेल सात दिन के विदेश प्रवास पर जापान पहुंचे

अहमदाबाद। गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल रविवार सुबह जापान पहुंचे। वाइब्रेंट गुजरात समिट-2024 के तहत शीर्ष प्रतिनिधिमंडल के साथ वे 7 दिन तक विदेश प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे सिंगापुर भी जाएंगे। इससे पूर्व शनिवार को अयोध्या में रामलला के दर्शन-पूजन के बाद शनिवार शाम मुंबई से वे जापान के लिए रवाना हुए थे। जापान पहुंचने पर मुख्यमंत्री पटेल का भारतीय राजदूत सीबी जॉर्ज और दूतावास के अधिकारियों ने गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्यमंत्री वाइब्रेंट गुजरात समिट-2024 के प्रमोशन के लिए जापान में कई बड़े उद्यमियों से मिलेंगे। साथ ही अलग-अलग प्रांतों के गवर्नर्स के साथ वन टू वन बैठक करेंगे। इस दौरान रोड शो का भी आयोजन किया जाएगा। गुजरात में अगले साल जनवरी में वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट का आयोजन होना है। इसकी तैयारियों के तहत राज्य के बड़े शहरों में रोड शो, समारोहों का आयोजन कर निवेशकों के बीच माहौल बनाया जा रहा है। इसी के तहत मुख्यमंत्री 2 दिसंबर तक जापान और सिंगापुर के प्रवास पर रहेंगे।मुख्यमंत्री के साथ राज्य के मुख्य सचिव राजकुमार, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव पंकज जोशी, उद्योग-खान विभाग के एसीएस एस जे हैदर, गिफ्ट सिटी के वरिष्ठ प्रतिनिधि, गुजरात की रेसिडेंट कमिश्नर आरती कंवर, इंडेक्स्ट बी के प्रबंध निदेशक गौरांग मकवाणा और मुख्यमंत्री के निजी सचिव नील पटेल भी विदेश प्रवास पर साथ गए हैं।

बांग्लादेश में सड़क हादसे में भारतीय दंपति की मौत

ढाका। बांग्लादेश में शनिवार हादसों का दिन रहा। सतखिरा, राजशाही, चटगांव, गाजीपुर, फेनी, मुंशीगंज और जेसोर में सड़क पर 16 लोगों की जान चली गई। इनमें एक भारतीय दंपति और एक पुलिस कांस्टेबल शामिल है। स्थानीय अंग्रेजी अखबार ढाका ट्रिब्यून के अनुसार भारत के पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के रहने वाले भारतीय दंपति की उस समय मौत हो गई जब सतखिरा के सदर उपजिला के तलतला में एक ट्रक ने उनकी कार को टक्कर मार दी। मृतकों में 45 वर्षीय असीम कुमार विश्वास और उनकी 42 वर्षीय पत्नी चोबी विश्वास हैं। यह हादसा बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश के सतखिरा कैंप के सामने सुबह करीब आठ बजे हुआ। अखबार के अनुसार, सतखिरा सदर पुलिस स्टेशन प्रभारी (ओसी) महिदुल इस्लाम ने कहा कि असीम खुलना-मोंगला रेलवे परियोजना के उप प्रबंधक थे। वह अपनी पत्नी के साथ भोमरा भूमि बंदरगाह के रास्ते भारत जा रहे थे। हादसे में उनका ड्राइवर घायल हो गया। इसके अलावा राजशाही में दोपहर को बेलपुकुर में एक ट्रक और सीएनजी से चलने वाले ऑटो-रिक्शा के बीच आमने-सामने की टक्कर में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई और एक घायल हो गया।

इंद्रेश कुमार ने कहा- हमास एक बर्बर आतंकवादी संगठन ही है, कांग्रेस ने उसका बचाव कर शर्मनाक काम किया

नई दिल्ली। फिलिस्तीन में हमास और इजरायल के बीच गत डेढ़ महीने से संघर्ष जारी है। अब तक गाजा में दस हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है और पूरा गाजा तबाह हो चुका है। गाजा में इजरायली कार्रवाई 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इजरायल पर हमले के बाद शुरू हुई। हमास द्वारा किए गए इस हमले की पूरी दुनिया में आतंकी हमला बताकर निंदा की जा रही है। इस बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े संगठन मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के संरक्षक इंद्रेश कुमार ने भी हमास द्वारा किए गए हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे आतंकी हमला करार दिया और मानवता विरोधी कृत्य बताया है। इंद्रेश कुमार ने हमास, हिजबुल्लाह, लश्कर, अल-कायदा, बोको हराम, आईएसआईएस और पीएफआई जैसे सभी संगठनों एक समान विचारधारा वाले आतंकवादी संगठन हैं। साथ ही हमास का समर्थन करने वाले विपक्षी दल कांग्रेस और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की भी उन्होंने आलोचना की। बातचीत के दौरान इंद्रेश कुमार ने कहा कि एमआरएम का मानना है कि ऐसा कोई विवाद और टकराव नहीं है जिसे बातचीत से नहीं सुलझाया जा सके। लेकिन चिंताजनक और निंदनीय बात यह है कि हमास के भयानक आतंकवादी हमले ने मानवता को तार-तार करते हुए बर्बरता की सभी हदें पार कर दी हैं, जिसकी जितनी भी भर्त्सना की जाए, कम है। हमास द्वारा की बर्बरता युद्ध नहीं बल्कि नरसंहार और अमानवीय कृत्य की श्रेणी मे आत है जिसे कोई भी सभ्य समाज और देश बर्दाश्त नहीं कर सकता। येरूशलम के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक विवादास्पद जगह है जिसे लेकर आरंभ से ही दोनों देशों के बीच विवाद रहा है। इजरायली यहूदियों और फिलिस्तीनी अरब, दोनों की ही पहचान, संस्कृति और इतिहास येरुशलम से जुड़े हुए हैं। दोनों ही इस पर अपने अधिकार का दावा करते हैं। उन्होंने कहा कि यहां की अल-अक्सा मस्जिद, जिसे यूनेस्को ने विश्व धरोहर घोषित किया है, दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण और पवित्र है। यहूदी इस पवित्र स्थान को टेम्पल माउंट कहते हैं जबकि मुसलमानों के लिए यह हरम अल-शरीफ है। ईसाइयों के लिए भी यह अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि अब इतनी बड़ी जनसंख्या के मानने वाले धर्मों की अलग-अलग मान्यताएं हैं, जिसके कारण समस्याएं हैं जिनका समाधान होना आवश्यक है। बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि मुस्लिम राष्ट्रीय मंच का मानना है कि विवाद के कारण जो भी हां, बातचीत और शांतिपूर्ण तरीकों से उसका समाधान किया जाना चाहिए। हिंसा, उत्पीड़न, आतंकवाद केवल विनाश और तबाही के कारण होते हैं, समस्याओं का समाधान नहीं। मेरा मानना है कि पवित्र कुरान सहित दुनिया के सभी धार्मिक ग्रंथ और पुस्तकें शांति, भाईचारे, प्रेम और शांति की बात करती हैं। हत्या और लूट-मार को कहीं भी उचित नहीं ठहराया गया है लेकिन यह बहुत अफसोस की बात है कि इस्लाम और मुसलमानों के नाम पर जितने भी जिहादी संगठन हैं, उन सभी ने इस्लाम का नाम खराब करने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि इस्लाम शांति, अमन और समृद्धि का संदेश देता है, बम और गोलियों का नहीं। इस दौरान इंद्रेश कुमार ने कहा कि हम मुस्लिम देशों से अपील करते हैं कि वह हमास की हरकतों की निंदा करें। कुछ हजार आतंकियों के संगठन ने हमारे लाखों शांतिप्रिय फिलिस्तीनियों की जिंदगी को खून-खराबे के अंधेरे कुएं में धकेल दिया है। ऐसे में फिलिस्तीन की जनता को स्वयं हमास के विरोध में आवाज उठानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हमास के इस क्रूर कृत्य की मुस्लिम देशों के प्रमुखों ने निंदा की है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन जैसे देशों ने खुले तौर पर इसकी निंदा की है। इंद्रेश कुमार ने कांग्रेस के रुख की आलोचना की और कहा कि आतंकी हमले के बावजूद कांग्रेस हमास की निंदा करने के बजाय उसका बचाव करने में लगी है, जो अमानवीय और निंदनीय है। उन्होंने कहा कि मेरा मानना है कि मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस को इस तरह ऐसी शर्मनाक हरकतों से बचना चाहिए। कांग्रेस की इसी बीमार मानसिकता और ढुलमुल रवैये के कारण ही कश्मीर में आतंकवाद पनपा है । एक शांतिपूर्ण स्थान जिसे धरती का स्वर्ग कहा जाता था, वह बम धमाकों और गोलियों से नर्क बन गया था। उन्होंने कहा कि पंजाब में खालिस्तानी समर्थकों और भिंडरावाला को खड़ा करने में भी कांग्रेस का ही हाथ था जिससे जाहिर होता है कि कांग्रेस का चाल, चरित्र और चेहरा दागदार और उसके हाथ खून से सने हुए हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की कमजोरी के कारण ही मुंबई में हमले हुए, भागलपुर में दंगे हुए और हजारों लोगों को जान गंवानी पड़ी।

पहली बार भारतीय सीमा तक विद्रोहियों का 'गनतंत्र': म्यांमार के विद्रोहियों ने मिजोरम बॉर्डर पर किया कब्जा, लिखा- वेलकम टू चिनलैंड

आइजोल। म्यांमार से घुसपैठ के बीच मिजोरम में खतरा बढ़ रहा है। म्यांमार में सेना से लोकतंत्र समर्थक लड़ाई लड़ने वाली चिन डिफेंस जॉइंट फोर्सेज की चिनलैंड काउंसिल ने भारत-म्यांमार बार्डर पॉइंट के तिआउ-खाव्मावी गेट पर कब्जा कर लिया है। संगठन ने वेलकम टू चिनलैंड का बोर्ड लगाकर चिनलैंड का झंडा फहरा दिया है। साथ ही रिखाव्दर टाउनशिप में नागरिक प्रशासन बना दिया गया है। उसने मिजोरम के इस इलाके में प्रवेश करने वाले हजारों म्यांमारी नागरिकों में से 800 को सुरक्षित स्वदेश वापसी की हरी झंडी दे दी है।

19 हजार म्यांमारियों को वतन वापसी से मना किया था- इससे पहले, मिजोरम के रिखाव्दर और जोखाव्थार इलाके में भागकर आए 19 हजार म्यांमरियों को वतन वापसी से मना किया था। चम्फाई जिले के जोखाव्थार गांव की विलेज काउंसिल के अध्यक्ष लल्मुआन्पुइआ के मुताबिक पिछले सप्ताह म्यांमार के खाव्मावी गांव लौटे कई नागरिक लगातार हो रहे हवाई हमलों से बचने के लिए अपनी रातें भारतीय सीमा में उनके गांवों में बिताते हैं। भारतीय अधिकारियों ने कहा है कि जो कुछ भी हुआ है, म्यांमार की सीमा में हुआ है। भारतीय इलाके में स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में है। सीमा पर असम रायफल्स की चौकसी और बढ़ा दी गई है। मिजोरम के जोखाव्थार गांव की आबादी तीन हजार से कुछ कम है। इस अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर मिजोरम से म्यांमार या म्यांमार से मिजोरम जाने-आने के लिए वीसा की जरूरत नहीं। 16 किमी के दायरे में आवागमन फ्री है। भारत के पड़ोसी देश म्यांमार में सेना और विद्रोही गुट पीपुल्स डिफेंस फोर्सेस (PDF) के बीच 12 नवंबर से लड़ाई हो रही है। 14 नवंबर को म्यांमार सेना ने भारत सीमा से सटे इलाकों खावमावी और रिहखावदार गांवों पर एयर स्ट्राइक की। इसके चलते भारत की सीमा पारकर म्यांमार के 5 हजार से अधिक लोगों ने मिजोरम में शरण ली। हमले में एक 51 साल के व्यक्ति की मौत हो गई थी। म्यांमार में सेना ने 1 फरवरी 2021 को तख्तापलट कर दिया था। वहां की लोकप्रिय नेता और स्टेट काउंसलर आंग सान सू की और राष्ट्रपति विन मिंट समेत कई नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद मिलिट्री लीडर जनरल मिन आंग हलिंग ने खुद को देश का प्रधानमंत्री घोषित कर दिया था। सेना ने देश में 2 साल के आपातकाल की घोषणा की थी। दरअसल, म्यांमार में नवंबर 2020 में आम चुनाव हुए थे।

इनमें आंग सान सू की पार्टी ने दोनों सदनों में 396 सीटें जीती थीं। वहीं विपक्ष की यूनियन सॉलिडैरिटी एंड डेवलपमेंट पार्टी ने दोनों सदनों में मात्र 33 सीटें ही जीतीं। इस पार्टी को सेना का समर्थन हासिल था। नतीजे आने के बाद सेना ने इस पर सवाल खड़े कर दिए। सेना ने चुनाव में सू की की पार्टी पर धांधली करने का आरोप लगाया था। चुनाव नतीजों के बाद से ही सरकार और सेना के बीच मतभेद शुरू हो गया, जिसके बाद सेना ने तख्तापलट कर दिया था।

राष्ट्रपति ने प्रतिभा के विकास के लिए अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन का दिया सुझाव

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने युवाओं के चयन, विभिन्न वर्गों से अधिक प्रतिनिधित्व और न्यायपालिका में निचले से उच्च स्तर तक प्रतिभा के विकास के लिए अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन का सुझाव दिया है। राष्ट्रपति ने अखिल भारतीय न्यायिक सेवा की वकालत करते हुए कहा कि विविधीकरण प्रक्रिया को तेज़ करने का एक तरीका एक ऐसी प्रणाली का निर्माण हो सकता है जिसमें योग्यता आधारित, प्रतिस्पर्धी और पारदर्शी प्रक्रिया के जरिए विभिन्न पृष्ठभूमि से न्यायाधीशों की भर्ती की जा सके। राष्ट्रपति मुर्मू ने रविवार को संविधान दिवस पर सुप्रीम कोर्ट परिसर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि चयन प्रणाली कम प्रतिनिधित्व वाले सामाजिक समूहों को भी अवसर प्रदान कर सकती है। राष्ट्रपति ने इससे पहले सुप्रीम कोर्ट परिसर में डॉ. बीआर अंबेडकर की प्रतिमा का अनावरण किया। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ और केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्यमंत्री (स्वंतत्र प्रभार) अर्जुन राम मेघवाल भी मौजूद थे। राष्ट्रपति ने संसद, सेना और अन्य क्षेत्रों में महिलाओं और पिछड़ों के बढ़ते प्रतिनिधित्व का जिक्र करते हुए न्यायिक प्रक्रिया में भी उनकी भागीदारी बढ़ाये जाने के महत्व को रेखांकित किया। राष्ट्रपति ने सबको न्याय उपलब्ध कराने के महत्व पर एक बार फिर जोर दिया और कहा कि हमें इस बात पर विचार करना चाहिए की क्या सभी को न्याय सुनिश्चित किया जा सकता है।

इस दिशा में धन का अभाव एक बड़ी बाधा है। इस संदर्भ में उन्होंने न्यायिक मदद के विस्तार करने के सुप्रीम कोर्ट के फैसले का स्वागत किया। उन्होंने भाषा सहित अन्य अवरोधों का भी उल्लेख किया। राष्ट्रपति ने न्याय को नागरिक केंद्रित बनाए जाने पर जोर दिया। न्याय प्रणाली के औपनिवेशिक इतिहास का जिक्र करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि इसके अवशेषों को हटाने का कार्य प्रगति पर है। उन्हें यकीन है कि हम अधिक सचेत प्रयासों से सभी क्षेत्रों में उपनिवेशीकरण के शेष हिस्से को तेजी से साफ कर सकते हैं। उनका मानना है कि इसमें युवाओं को भी शामिल किया जाएगा।

हमास ने संघर्ष विराम के दूसरे दिन खूब छकाया, रात को छोड़े इजराइल के आठ बच्चे और पांच महिलाएं

गाजा। कतर की मध्यस्थता से गाजा पट्टी में फिलिस्तीन के आतंकी संगठन हमास और इजराइल के बीच छिड़ा युद्ध भले ही चार दिन के लिए थम गया हो, मगर आशंकाओं के बादल उमड़-घुमड़ रहे हैं। आज (रविवार) संघर्ष विराम का तीसरा दिन है। कल इसकी मियाद पूरी होगी। हमास ने संघर्ष विराम के दूसरे दिन बंधकों को रिहा करने में काफी देरी की। इससे एक पल के लिए लगा कि संघर्ष विराम कहीं टूट न जाए। आखिरकार उसने देररात 13 इजराइली नागरिकों को 50 दिन की कैद के बाद रिहा कर दिया। इनमें आठ बच्चे, चार महिलाएं और एक युवती शामिल हैं। स्थानीय अखबार द टाइम्स ऑफ इजराइल ने देश के अधिकारियों के हवाले से इसका ब्यौरा जारी करते हुए कहा है कि इजराइल को आज (रविवार) रिहा किए जाने वाले बंधकों के की सूची मिल गई है। उनके परिवारों को सूचित कर दिया गया है। साथ ही हमास ने दूसरे दिन चार थाई नागरिकों को भी रिहा कर दिया। अभी भी हमास की कैद में 195 लोग हैं। अमेरिकी अखबार द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार इजराइली अधिकारियों ने रविवार सुबह कहा कि हमास ने फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले इजराइली और विदेशी बंधकों के दूसरे समूह को रिहा कर दिया। हमास ने इन लोगों को रिहा करने में दिए गए समय में एक घंटे की देरी की।

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने मुंबई में 26/11 हमले के शहीदों को दी श्रद्धांजलि

मुंबई। महाराष्ट्र के राज्यपाल रमेश बैस और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को दक्षिण मुंबई स्थित शहीद स्मारक पर 15 साल पहले 26 नवंबर 2008 को हुए आतंकी हमले के दौरान आतंकियों से लड़ते हुए शहीद हुए जवानों को पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, मुंबई शहर के प्रभारी मंत्री दीपक केसरकर सहित तमाम अधिकारी उपस्थित थे। इस हमले में विदेशी नागरिकों सहित 166 लोग मारे गये थे और 300 से अधिक घायल हो गये। मुख्यमंत्री शिंदे ने कहा कि 15 साल पहले हुए हमले के बाद मुंबई पुलिस शहर की आंतरिक सुरक्षा उपायों को मजबूत किया गया है। एक दर्जन से अधिक लैंडिंग स्थलों की पहचान की गई है जो असुरक्षित हो सकते हैं और वहां चौबीसों घंटे गश्त की जाती है। साथ ही तटीय सुरक्षा में मदद के लिए नई त्वरित प्रतिक्रिया पुलिस टीमें भी तैनात की हैं और ड्रोन भी जोड़े हैं। उल्लेखनीय है कि लश्कर-ए-तैयबा के आतंकियों ने 26 नवंबर 2008 की रात को मुंबई में प्रवेश किया था और चार दिनों के दौरान विदेशी नागरिकों सहित 166 लोगों की हत्या कर दी थी और कई अन्य को घायल कर दिया था। पाकिस्तानी आतंकियों ने अधिकतम क्षति पहुंचाने के लिए बहुत सावधानी से अपने लक्ष्य चुने- ताज और ओबेरॉय होटल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, नरीमन हाउस में यहूदी केंद्र और लियोपोल्ड कैफे - क्योंकि इन स्थानों पर यूरोपीय, भारतीय और यहूदी अक्सर आते थे। स्वचालित हथियारों से लैस आतंकियों ने मुंबई के दक्षिणी हिस्से में लोकप्रिय लियोपोल्ड कैफे, दो अस्पतालों और एक थिएटर सहित कई स्थानों पर नागरिकों को निशाना बनाया।

सरवाइवर सीरीज में की वापसी, ट्रिपल एच ने इस तरह कराई खुफिया एंट्री

नौ साल बाद डबल्यूडबल्यू में लौटे सीएम पंक

शिकागो, एजेंसी।

काफी समय से इस बात की चर्चा थी कि पंक इस शो से डबल्यूडब्ल्यू में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, सोशल मीडिया पर दो बातें चल रही थीं कि वह वापसी करेंगे और नहीं भी कर सकते हैं। हालांकि, नौ साल बाद उनकी वापसी ने दुनियाभर के फैंस में खुशी की लहर ला दी है। सोशल मीडिया पर काफी प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं।

वर्ल्ड रेसलिंग एंटरटेनमेंट में सीएम पंक की वापसी हो चुकी है। रविवार को सरवाइवर सीरीज में रेसलर पंक ने वापसी की। उनकी नौ साल बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी हुई है। इस शो में पिछला मैच उन्होंने जनवरी 2014 में रॉयल रंबल में खेला था। उसके बाद डब्ल्यूडब्ल्यूई से खराब रिश्ते के कारण उन्होंने इस शो को तत्काल छोड़ दिया था और फिर कंपनी के सीओओ ट्रिपल एच और विंस मैकमेहन के बारे बयानबाजी की थी। तब ऐसा लगा था कि सीएम पंक इस कंपनी के साथ दोबारा नहीं जुड़ेंगे। हालांकि, नौ साल बाद अब उन्होंने वापसी की है। कंपनी के सीओओ ट्रिपल एच ने उनकी वापसी के लिए खुफिया प्लान बनाया था, जिसके बारे में किसी को पता नहीं था। दरअसल, इस बार का सरवाइवर सीरीज शिकागो में आयोजित हुआ। सरवाइवर सीरीज वॉर गेम्स के मेन इवेंट में से एक है, जिसमें टॉप क्लास के रेसलिंग मुकाबले खेले जाते हैं।

काफी समय से इस बात की चर्चा थी कि पंक इस शो से डबल्यूडबल्यू में वापसी कर सकते हैं। हालांकि, सोशल मीडिया पर दो बातें चल रही थीं कि वह वापसी करेंगे और नहीं भी कर सकते हैं। सरवाइवर सीरीज में जब जजमेंट डे के साथ कोडी रोड्स की टीम का मुकाबला हुआ तो एक और वापसी हुई। रैंडी ओर्टन ने भी इस शो से डब्ल्यूडब्ल्यूई में वापसी की और कोडी रोड्स की टीम को जजमेंट डे की टीम पर जीत दिलाई।

यह आखिरी मैच था और लग रहा था कि सीएम पंक वापसी नहीं करेंगे। मैच खत्म होते ही पंक का एंट्री सॉन्ग बजा और शिकागो में उस अरेना में मौजूद फैंस खुशी से झूम उठे। पूरे अरेना सीएम पंक..सीएम पंक की गुंज से भर उठा। शिकागो सीएम पंक का होम टाउन है और अपने फैंस के बीच वापसी से बेहतर उनके लिए कुछ भी नहीं हो सकता था। तभी पंक की एंट्री हुई और यहीं पर शो को खत्म कर दिया गया। हालांकि, मैच के बाद सेथ रॉलिन्स का एक वीडियो भी सामने आ रहा है, जिसमें वह पंक की एंट्री के बाद उनके सामने उन्हें अपशब्द कहते हुए दिख रहे हैं। ऐसे में आगे चलकर पंक और रॉलिन्स की लड़ाई देखने को मिल सकती है। दोनों के बीच पहले भी कुछ ठीक नहीं रहा है और दोनों एकदूसरे के खिलाफ बयानबाजी करते रहे हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार ट्रिपल एच ने इसको लेकर खुफिया प्लान बनाया था और पंक की वापसी की जानकारी किसी के पास नहीं थी। सीएम पंक ने अपने करीबी में कम से कम एक व्यक्ति को बताया था कि उन्होंने पिछले हफ्ते ट्रिपल एच के साथ एक घंटे लंबी बातचीत की थी। डब्ल्यूडब्ल्यूई स्टाफ, प्रतिनिधि, क्रिएटिव को कोई जानकारी नहीं थी कि वह वापसी करने वाले हैं। वह डब्ल्यूडब्ल्यूई अरेना में आने के बाद सामने से एंट्री करने की बजाय पीछे के रास्ते से आए। उनके लिए उस जगह को पहले ही खाली कराया गया था। ट्रिपल एच ने आखिरी कुछ मिनटों में शो की जिम्मेदारी खुद संभाली और पंक का कॉपीराइट लोगो मंगवाया। यहां तक कि प्रोडक्शन में भी कई लोगों को इसकी जानकारी नहीं थी। ट्रिपल एच ने खुद ही एंट्री सॉन्ग बजवाया और पंक की एंट्री हुई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंक की डब्ल्यूडब्ल्यूई के साथ कई वर्षों की और कई टर्म्स एंड कंडीशंस के साथ डील हुई है। ट्रिपल एच ने शो के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पंक के साथ समझौता आसानी से हो गया।

पंक से आप प्यार करें या नफरत करें या आप जो भी कहना चाहते हैं, लोग उनके बारे में हर समय बात करते हैं। ट्रिपल एच से यह भी पूछा गया कि क्या एईडब्ल्यू के साथ पंक के पिछले विवादों को देखते हुए डील करना सही था? ट्रिपल एच ने कहा ऐसा नहीं है। जिस कंपनी में पंक थे, उन्होंने इस रेसलर से जरूर कुछ बकवास कहा होगा। ट्रिपल एच ने पंक के साथ तस्वीर भी साझा की है। जिसमें दोनों एक दूसरे के साथ खुश दिख रहे हैं। हालांकि, पंक की वापसी ने दुनियाभर के फैंस में खुशी भर दी है।

फैंस इस रेसलर की वापसी की काफी समय से इंतजार कर रहे थे। पंक की वापसी से डब्ल्यूडब्ल्यूई को जबरदस्त फायदा होने वाला है। पंक रेसलिंग दुनिया के सबसे बड़े एंटरटेनर में से एक हैं। यह देखने वाली बात होगी कि सीएम पंक का मैच किसके साथ करवाया जाता है, लेकिन जिस तरह से सेथ रॉलिन्स की प्रतिक्रिया आई है, उससे यही लगता है कि दोनों का आगे चलकर मुकाबला हो सकता है।

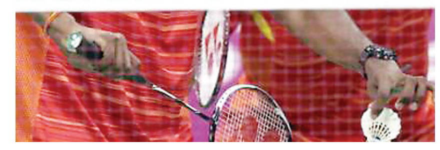

सात्विक–चिराग चाइना मास्टर्स के फाइनल में

शेनझेन, एजेंसी। भारत की शीर्ष पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने चीन मास्टर्स 2023 के सेमीफाइनल में घरेलू पसंदीदा हे जी टिंग/रेन जियांग यू को शनिवार को 21-16, 22-20 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। वे इस साल बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर पर अपना चौथा फाइनल खेलेंगे, इससे पहले उन्होंने इस साल की शुरुआत में स्विस ओपन 2023, इंडोनेशिया ओपन 2023 और कोरिया ओपन 2023 में तीनों में जीत हासिल की थी। रविवार को फाइनल में सात्विक-चिराग का सामना चीन के चेन बो यांग/लियू यी और लियांग वेई केंग/वांग चांग के बीच विजेता से होगा।

आरसीबी से खेलेगा वीरेंद्र सहवाग का भांजा

नईदिल्ली, एजेंसी। बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की 'ट्रेडिंग' में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) से सनराइजर्स हैदराबाद से जोड़ा गया है। सनराइजर्स ने उनके बदले मयंक डागर को आरसीबी को सौंपा है। आईपीएल के रविवार को जारी बयान में कहा गया है कि शाहबाज को उनकी मौजूदा कीमत पर ही सनराइजर्स से जोड़ा गया है।

बयान के अनुसार, ''शाहबाज ने अभी तक आईपीएल में 39 मैच खेल कर 14 विकेट लिए हैं जिनमें उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन सात रन देकर तीन विकेट हासिल करना है। वह 2020 से आरसीबी की तरफ से खेल रहे थे लेकिन उन्हें अब मौजूदा कीमत पर ही सनराइजर्स से जोड़ दिया गया है।'' मयंक डागर अपनी मौजूदा कीमत पर आरसीबी से जुड़ेंगे। यह ऑलराउंडर इससे पहले किंग्स इलेवन पंजाब (अब पंजाब किंग्स) की तरफ से भी खेल चुका है। उन्होंने आईपीएल 2023 में तीन मैच में एक विकेट लिया था। मयंक डागर भारत के विस्फोटक बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग के भांजे हैं। अब वह विराट कोहली की आरसीबी की जर्सी में नजर आएंगे। टीम के अलावा मयंक और विराट में एक और चीज कॉमन है। वह है फिटनेस।

मयंक भी कोहली की तरह अपनी फिटनेस पर काफी ध्यान देते हैं। अगर यो-यो टेस्ट की बात करें तो मयंक कोहली से भी आगे हैं। मयंक डागर ने खुद इंस्टाग्राम पर स्टोरी डालकर यह बताया था कि उनका यो-यो टेस्ट का स्कोर 19.3 है। वहीं विराट कोहली का बेस्ट यो-यो स्कोर 19.0 है। मयंक अब तक 34 फर्स्ट क्लास मैच खेल चुके हैं जिसमें उनके नाम 97 विकेट और 801 रन है। वहीं लिस्ट ए में उन्होंने 49 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 52 विकेट लिए हैं। टी20 की बात करें तो उन्होंने 54 टी20 में 1267 में 55 विकेट लिए हैं।

टॉयलेट जाने के चक्कर में मुकेश कुमार से छिन गया था बड़ा मौका

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन किया। ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों को मुकेश की गेंदों को समझने में काफी मुश्किल हो रही थी। उनकी गेंदबाजी ने भारतीय स्पिन गेंदबाज आर अश्विन को काफी प्रभावित किया। अश्विन का कहना है कि मुकेश बिलकुल मोहम्मद शमी जैसे हैं और आने वाले समय में टीम इंडिया के लिए अहम साबित हो सकते हैं।

अश्विन ने बताया किस्सा : अपने यूट्यूब चैनल पर अश्विन ने बताया कि किस तरह से मुकेश कुमार के पास वकार यूनुस और सौरव गांगुली को प्रभावित करने का मौका था लेकिन वह चूक गए। इसकी वजह भी काफी हैरान करने वाली थी।

बंगाल के टैलेंट हंट में हुआ था मुकेश का सेलेक्शन: अश्विन ने बताया बंगाल क्रिकेट एसोसिएशन ने एक टैलेंट हंट का आयोजन किया था। उस समय कैब के अध्यक्ष दिग्गज बल्लेबाज सौरव गांगुली थे। इस टैलेंट हंट में वकार यूनुस, मुथैया मुरलीधरन और वीवीएस लक्ष्मण खिलाड़ियों की परीक्षा ले रहे थे। मुकेश कुमार बिहार के गोपालगंज के गांव से ग्राउंड स्टाफ और अकेडमी सपोर्ट स्टाफ का काम करने बंगाल गए थे।

ट्रॉयल्स के दौरान टॉयलेट चले गए थे मुकेश : मुकेश ने भी ट्रायल्स में अपना लिखाया। ट्रायल्स के बीच ही वह टॉयलेट चले गए।

फिर विवादों में हॉकी इंडिया, महासचिव पर लगा 25 लाख रुपए की जबरन वसूली का आरोप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय हॉकी एक बार फिर गलत कारणों से चर्चा में है क्योंकि एक राज्य संघ तेलंगाना हॉकी ने हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह पर उसके चुनाव कराने के लिए 25 लाख रुपए की जबरन वसूली करने का आरोप लगाया है। तेलंगाना हॉकी के चुनाव इस साल अप्रैल में होने थे लेकिन इस राज्य संघ के अध्यक्ष सरस तलवार के अनुसार वे चुनाव कराने के प्रयास कर रहे हैं लेकिन भोलानाथ विभिन्न कारणों से इसमें रोड़ा अटका रहे हैं। बाद में हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ ने तेलंगाना हॉकी के कामकाज को चलाने के लिए छत्तीसगढ़ हॉकी के महासचिव फिरोज अंसारी की अगुवाई में तीन सदस्यीय समिति गठित की इसके बाद तलवार ने शिकायत दर्ज कराई थी।

तलवार ने कहा, ''चुनाव अप्रैल में होने वाले थे और हम इन्हें कराने की प्रक्रिया में थे लेकिन हॉकी इंडिया का एक अधिकारी इसमें रोड़ा अटका रहा था। हॉकी इंडिया ने कहा कि कुछ शिकायतें हैं और हमने उनका जवाब दिया। आखिर में मैं उनसे (भोलानाथ) मिला तो उन्होंने कहा कि अगर आप इससे बाहर निकलना चाहते हो तो 25 (लाख रुपए) का भुगतान करो। तब कमरे में केवल मैं और वह थे।

तलवार ने कहा, ''इसके बाद उन्होंने कहा कि मैं इस पर विचार करने के लिए सात दिन का समय दूंगा। मैं उनसे तीन नवंबर को मिला था।'' भोलानाथ ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा इस खेल को बढ़ावा देने के लिए काम किया है। भोलानाथ ने पीटीआई से कहा, ''यह आरोप पूरी तरह से आधारहीन हैं। मैंने 25 लाख तो छोड़िए, कभी किसी से यहां तक की 25 पैसे भी नहीं लिए हैं। मैंने हमेशा खेल को बढ़ावा देने के लिए काम किया है।''

मेहुली, अभिनव, सरबजोत, पलक ने शूटिंग नेशनल में जीत हासिल की

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी।

विभिन्न शहरों में चल रही 66वीं राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप प्रतियोगिता (एनएससीसी) में आज मिश्रित टीम दिवस था। नई दिल्ली के कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में, जहां राइफल स्पर्धाएं हो रही हैं, पश्चिम बंगाल की मेहुली घोष और अभिनव शॉ ने 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम का खिताब जीता, जबकि पिस्टल स्पर्धाओं की मेजबानी करने वाले भोपाल स्थित एमपी राज्य शूटिंग अकादमी रेंज में, सरबजोत सिंह और पलक ने हरियाणा के लिए मिश्रित टीम एयर पिस्टल का ताज जीता।मेहुली और अभिनव अपने स्वर्ण पदक मैच में डेरियस सौरास्त्री और तिलोत्तमा सेन की कर्नाटक जोड़ी पर 16-6 से विजेता रहे। बंगाल की जोड़ी ने 27-टीम क्वालिफिकेशन राउंड में 633 के संयुक्त स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया था, जबकि कर्नाटक की जोड़ी 631.3 के साथ दूसरे स्थान पर रही थी। तमिलनाडु के आर.नर्मदा और कार्तिक सबरी राज ने कांस्य पदक जीता।भोपाल में, सरबजोत और पलक को फाइनल में कड़ा मुकाबला करना पड़ा और उन्होंने राजस्थान की अंजलि और अभिनव चौधरी को 16-14 से हराया। इसके बाद वे 576 के स्कोर के साथ राजस्थान की जोड़ी के बाद दूसरे स्थान पर रहे।

एमएस धोनी, विराट कोहली और तेंदुलकर से भी महंगा है इस महिला क्रिकेटर का घर, 225 एकड़ में बने हैं 100 कमरे

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत में स्टार क्रिकेटर्स देश के सबसे अमीर लोगों में शामिल हैं। क्रिकेट के अलावा एंडोर्समेंट्स से भी उनकी करोड़ों की कमाई होती है। भारत के महान बल्लेबाज विराट कोहली, सचिन तेंदुलकर और महेंद्र सिंह धोनी की कमाई कई एक्टर्स और बिजनेसमैन से भी ज्यादा है। हालांकि महिला क्रिकेटर्स को इतना पैसा नहीं मिलता है। इसके बावजूद एक ऐसी महिला क्रिकेटर है जिसका घर इन स्टार क्रिकेटर्स से भी महंगा और बड़ा है। सौराष्ट्र की मृदुला जड़ेजा साल 2006 से घरेलू क्रिकेट खेल रही हैं। राजकोट की रहने वाली मृदुला का घर देश के सबसे महंगे घरों में शामिल है। धोनी, तेंदुलकर और कोहली के घर की कीमत मिला दी जाए तब भी वह मृदुला के घर की कीमत के आधी भी नहीं होगी।

अभ्युदय सहकारी बैंक पर संकट? आरबीआई के एक्शन से मिले संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। बीते कुछ समय में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कई को-ऑपरेटिव बैंकों के या तो लाइसेंस रद्द किए हैं या जुर्माना या पाबंदियां लगाई हैं। अब इस लिस्ट में एक और को-ऑपरेटिव बैंक का नाम जुड़ गया है। दरअसल, रिजर्व बैंक ने खराब संचालन मानकों के कारण अभ्युदय सहकारी बैंक के निदेशक मंडल को एक साल के लिए निलंबित कर दिया है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने सहकारी बैंक के प्रबंधन के लिए एक प्रशासक नियुक्त किया है।

रिजर्व बैंक ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक के पूर्व मुख्य महाप्रबंधक सत्य प्रकाश पाठक को एक साल के लिए मुंबई स्थित बैंक का प्रशासक नियुक्त किया गया है। इसके साथ ही प्रशासक की सहायता के लिए सलाहकारों की एक समिति भी नियुक्त की गई है। हालांकि, रिजर्व बैंक ने अभ्युदय सहकारी बैंक पर कोई व्यावसायिक प्रतिबंध नहीं लगाया है और बैंक प्रशासक के मार्गदर्शन में अपनी सामान्य बैंकिंग गतिविधियां जारी रखेगा। अभ्युदय सहकारी बैंक की शुद्ध गैर-निष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) बढ़कर 12 प्रतिशत हो गई है। बैंक का लागत-आय अनुपात 80 प्रतिशत तक बढ़ गया है। न्यूज एजेंसी पीटीआई सूत्रों ने कहा कि खराब प्रशासन के कारण धीरे-धीरे एनपीए बढ़ता गया और लागत-आय अनुपात में गिरावट आई। सूत्रों के मुताबिक चेयरमैन संदीप घंडत की अगुवाई में बैंक प्रबंधन ने बहुत अधिक भर्तियां कीं। मामले से जुड़े लोगों ने कहा कि बैंक ने वित्त वर्ष 2012-13 में परिचालन लाभ कमाया था। बैंक ने सांविधिक तरलता अनुपात और नकद आरक्षित अनुपात को भी लगातार बनाए रखा है। एक व्यक्ति ने कहा- पेशेवर टीम बैंक के रोजमर्रा के मामलों को देख रही है, जिससे वह अपने खराब ऋण की वसूली करके अपने बहीखाते में सुधार करेगी और परिचालन दक्षता हासिल करेगी।

कंपनी ने एनएचएआई से मिलाया हाथ, शेयर 3 प्रतिशत से अधिक चढ़ा, कीमत 50 से कम

नई दिल्ली, एजेंसी। आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स की सहयोगी आईआरबी ललितपुर टोलवे ने मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्ग 44 के ललितपुर–लखनादौन खंड के टोलिंग, संचालन और रखरखाव के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने एक बयान में यह जानकारी दी है। शुक्रवार को कंपनी के शेयर का भाव 3 प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ 38.95 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। आईआरबी इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपर्स ने शनिवार को कहा कि इस परियोजना में 20 वर्षों की राजस्व–संबद्ध रियायत समय के लिए एनएच–44 के 316 किमी लंबे हिस्से के टोलिंग और ओएंडएम के लिए एनएचएआई को 4,428 करोड़ रुपये का अग्रिम भुगतान शामिल है। इसमें कहा गया कि यह परियोजना आईआरबी इंफ्रास्ट्रक्चर ट्रस्ट (प्राइवेट इनविट) द्वारा क्रियान्वित की जा रही है।

30 नवंबर तक हर हाल में निपटा लें जरूरी काम, नहीं तो होगा बड़ा नुकसान

नई दिल्ली, एजेंसी। नवंबर का महीना खत्म होने वाला है। इसके बाद दिसंबर महीने की शुरुआत हो जाएगी। कुछ ऐसे काम हैं जिन्हें 30 नवंबर तक निपटाना जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर आपको नुकसान हो सकता है। आज हम आपको ऐसे ही जरूर काम के बारे में बताने जा रहे हैं, जिन्हें आप 30 नवंबर तक हर हाल में निपटा लें। इस महीने के अंत तक निपटाने वाला पहला जरूरी का पेंशनर्स का है। पेंशनर्स को हर साल अपना लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना होता है। लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने का मतलब होता है कि आप जीवित हैं। आप लाइफ सर्टिफिकेट ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरह से जमा कर सकते हैं। अगर आपने लाइफ सर्टिफिकेट जमा नहीं किया है तो इसे फटाफट जमा कर दीजिए। इस तरह से आप लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर सकते हैं। आप जीवन प्रमाण पत्र को इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक के जरिए जमा कर सकते हैं। इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक पोस्टमैन और ग्रामीण डाक सेवक के जरिए यह सुविधा दे रहा है। वहीं पेंशनर्स घर बैठे जीवन प्रमाण पोर्टल पर जाकर भी लाइफ सर्टिफिकेट जमा कर सकते हैं। आप अपने बैंक में जाकर डोरस्टेप बैंकिंग की सुविधा ले सकते हैं। इसके सर्विसेज के तहत लाइफ सर्टिफिकेट भी जमा होता है। इसके लिए मोबाइल ऐप, वेबसाइट या टोल फ्री नंबर के जरिए बुकिंग की जाती है। डोरस्टेप बैंकिंग एजेंट घर पर आकर पेंशनर्स लाइफ सर्टिफिकेट ले जाते हैं। टैक्सपेयर और कंपनियों के लिए इस महीने टैक्स से जुड़े कुछ जरूरी काम पूरे करने हैं। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट द्वारा कैलेंडर में लोगों को इन जरूरी तिथियों के बारे में जानकारी दी जाती है। इनके हिसाब से लोग अपनी टैक्स की प्लानिंग कर सकते हैं। 30 नवंबर तक अक्टूबर 2023 के लिए धारा 194-आई, 194-आइबी, 194एम और 194एस के तहत काटे गए टैक्स के संबंध में चालान-सह-विवरण प्रस्तुत करना होगा। वहीं 30 नवंबर उन व्यक्तियों या संस्थाओं के लिए मूल्यांकन वर्ष 2023-24 के लिए आय का रिटर्न दाखिल करने की ड्यू डेट है।

बैंकों के नाम से हो रही साइबर ठगी पर सरकार हुई सख्त, धोखाधड़ी रोकने के लिए बनेगी नई गाइडलाइन

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकों और ग्राहकों को साइबर फ्रॉड से बचाने के लिए अब केंद्र सरकार महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है। वित्त मंत्रालय साइबर सुरक्षा से जुड़े मसलों पर बात करने के लिए अगले सप्ताह सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के मुख्य कार्याधिकारियों के साथ बैठक करेगा। इस महीने की शुरुआत में कोलकाता के यूको बैंक के साथ हुई 820 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी को देखते हुए यह बैठक की जा रही है। सूत्रों ने बताया कि वित्त मंत्रालय ने पहले ही बैंकों से कहा है कि वे अपनी डिजिटल व्यवस्था और साइबर सुरक्षा से जुड़े कदमों की समीक्षा करें। मंत्रालय अब सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के एमडी और सीईओ के साथ बैठक कर स्थिति की जानकारी लेगा।

दरअसल, दीपावली के दौरान यूको बैंक एक आईएमपीएस धोखाधड़ी से प्रभावित हुआ था, जिसमें यूको बैंक के कुछ खाताधारकों के खाते में 820 करोड़ रुपये जमा किए गए थे, जबकि किसी अन्य बैंक से कोई निकासी नहीं हुई थी। यूको बैंक इसमें से करीब 679 करोड़ रुपये या 79 फीसदी वापस लेने में सफल हुआ था, वहीं शेष राशि खाताधारकों ने निकाल ली। बैंक ने कहा कि 10 और 13 नवंबर के बीच इमीडिएट पेमेंट सर्विस से अन्य बैंकों के खातेदारों द्वारा कुछ लेन देन की पहल की गई, जिससे यूको बैंक के खाताधारकों के खातों में पैसे जमा हो गए, जबकि वास्तव में उन बैंकों से कोई धन प्राप्त नहीं हुआ। हाल ही में रिजर्व बैंक ने कहा था कि साइबर सुरक्षा की जरूरतों का न्यूनतम साझा ढांचा तैयार किया जाना चाहिए, जिससे कि वित्तीय संस्थानों के लिए बेहतरीन गतिविधियां और मानक स्थापित हो सकें और इससे सभी संस्थानों को साइबर जोखिम से खुद को बचाने के लिए आवश्यक कदम उठाने में मदद मिल सके।

रिज़र्व बैंक दे चुका है चेतावनी

भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकों के लिए अनिवार्य किया है कि वे व्यापक रूप से स्वीकार्य साइबर सुरक्षा नीति अपनाएं, जिसमें साइबर जोखिम को रोकने के लिए रणनीति स्पष्ट की गई हो और कारोबार की जटिलता के स्तर के मुताबिक जोखिम स्वीकार्य स्तर तक ही रहे। नियामक ने जोर दिया है कि साइबर सुरक्षा नीति व्यापक आईटी नीति से अलग बनाने की जरूरत है। रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर एम राजेश्वर ने भी बैंकों की साइबर सुरक्षा का मसला उठाते हुए कहा था कि बैंकों को हाइपर पर्सनलाइज्ड और टेक बैंकिंग माहौल में साइबर धोखाधड़ी को रोकने के लिए साइबर सुरक्षा मजबूत करनी चाहिए। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि बैंकों को समय से ग्राहकों की शिकायत का समाधान मुहैया कराने की कवायद करने की जरूरत है, जो टेक्नोलॉजी और उत्पादों की व्यापकता में तालमेल नहीं बिठा पाए हैं। रिजर्व बैंक ने कहा था कि इस तरह के व्यवधान से ग्राहकों और कारोबारियों को अपना धन पाने या सामान्य वित्तीय गतिविधियां संचालित करने में कठिनाई हो सकती है और बैंकिंग व्यवस्था से भरोसा खत्म हो सकता है।

मैदाने कर्बला में गूंजी इश्क-ए-रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सदाएं

वादी-ए-हुसैन कर्बला मैदान में जुटे इस्लामिक स्कॉलर्स

चमकता राजस्थान

जयपुर। (खलील कुरैशी)सुन्नी दावते इस्लामी की ओर से रविवार को जयपुर के वादी-ए-हुसैन कर्बला मैदान में एक दिवसीय सुन्नी इज्तेमा (अधिवेशन) का आयोजन किया गया। जिसमें देश के विभिन्न स्थानों से इस्लामिक स्कॉलर, इस्लामी विद्वान, विभिन्न विषय विशेषज्ञ सहित वरिष्ठ जन बड़ी संख्या में जुटे। अधिवेशन में सूफीवाद का संदेश तथा हजरत मोहम्मद सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की तालीमत को फैलाने का संकल्प लिया गया। वहीं हजरत मोहम्मद साहब की तालीमात को आम करने पर बल दिया। साथ ही शिक्षा को प्रोत्साहन और समाज में फैलती नशाखोरी पर अंकुश का संकल्प लिया गया।

तैमूर रफत व जुनैद रफत द्वारा पेश की गई नात शरीफ से कार्यक्रम के हुए आगाज में अमीरे सुन्नी दावते इस्लामी के मोहम्मद शाकिर अली नूरी साहब ने इस्लाहे मआशरा, इंसान कौन, वह कैसा तथा एक मुसलमान के अंदर क्या क्वालिटी होनी चाहिए विषय पर अपने विचार व्यक्त करते हुए समाज सुधार का पैगाम देने के साथ ही हजरत मोहम्मद मुस्तफा सल्लल्लाहो अलैहि वसल्लम की तालीमात को आम करने पर बल दिया। वहीं मालेगांव से आए सय्यद अमीनुल कादरी साहब ने इश्क-ए-रसूल मुहम्मद सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम की तालीमात को आम करने पर बल दिया। उन्होंने रसूलुल्लाह सल्लल्लाहू अलैहि वसल्लम द्वारा किए गए अमल व कार्य को अपने जीवन में उतारने का उपस्थित जन से आ''ान किया। वहीं कारी रिजवान साहब ने इस्लाम में अब तक के वैज्ञानिकों और मुस्लिम साइंटिस्ट तथा उनकी उपलब्धियों पर विस्तार से बताया। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए उपस्थित लोगों से दुनियावी तालीम भी आला दर्जे के साथ हासिल करने का आ''ान किया। वहीं कार्यक्रम आयोजक मौलाना सैयद मोहम्मद कादरी साहब ने शिक्षा की अहमियत बताते हुए बच्चों की तालीम में मां का किरदार और समाज में फैल रहे नशे की लत को समूल नष्ट करने का लोगों से आह्वान किया।

मौलाना सैयद मोहम्मद कादरी साहब ने तालीम की अहमियत बताते हुए कहा कि हमें अपनी बच्चियों को भी आला तालीम दिलवानी होगी तथा उन्हें तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के क्षेत्र में भी आगे लाना होगा। साथ ही दीनी तालीम को जीवन में आत्मसात करना होगा। वहीं उन्होंने समाज में फैलती नशाखोरी की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का आ''ान किया।मुफ्ती निजामुद्दीन साहब ने अपनी तकरीर में धार्मिक शिक्षा के साथ ही दुनियावी तालीम पर भी बल दिया। उन्होंने देशवासियों से आ''ान किया कि वे देश की गंगा-जमुनी तहजीब में प्रगाढता लाते हुए इसे आगे बढ़ाएं। वहीं उन्होंने देश में फैलते वैमनस्यता के माहौल पर चिंता जताई तथा लोगों से अपील करते हुए कहा कि हमें देश की प्रगति, विकास एवं उत्थान के लिए अपना अहम रोल अदा करना होगा। जयपुर शहर मुफ्ती अहले सुन्नत मुफ्ती अब्दुस्सत्तार साहब ने सरपरस्ती करते हुए सभी से सद्भाव के साथ मिलजुल कर रहने का अनुरोध किया। वहीं उन्होंने दीनी व दुनियावी तालीम पर बल दिया।

करबला में आयोजित इस राष्ट्रीय अधिवेशन में सुन्नी दावते इस्लामी के मौलाना मोहम्मद शाकिर अली साहब, जामिआतुल अशरफिया मुबारकपुर के मुफ्ती निजामुद्दीन साहब, रूकने शूरा सुन्नी दावत-ए-इस्लामी मुंबई के कारी रिजवान साहब, सुन्नी दावते इस्लामी मालेगांव के मौलाना सय्यद अमीनुल कादरी साहब ने विभिन्न विषयों पर जनसमूह को संबोधित किया। वहीं अधिवेशन की सरपरस्ती मुफ्ती अब्दुस्सत्तार साहब ने की।

तलबा व तालिबात को किया सम्मानित

» कार्यक्रम संयोजक मौलाना सैयद मोहम्मद कादरी एवं सह संयोजक शेख नासिरुद्दीन ने बताया कि अधिवेशन में महिलाओं के बैठने की व्यवस्था अलग से की गई। अधिवेशन में मुफ्ती, कारी, हाफिज, मौलवी हजरात सहित विभिन्न विषयों के विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिए। तैमूर रफअत, जुनैद रफअत ने नआत शरीफ पढी। अधिवेशन में मदरसा दारुल उलूम नूरी सुन्नी सेंटर पहाडगंज, सूरजपोल जयपुर से फारिगीन हाफिज व मौलवी हजरात की निजामुद्दीन साहब के मुबारक हाथों से दस्तारबंदी कर सम्मानित किया गया। लड़कियों का इदारा जामिया आयशा सिद्दीका लिल बनात की चार बच्चियों को रिदा–ए–फजीलत ओढाई गई।

यह अतिथि रहें मौजूद

» मौलाना कादरी ने बताया कि सुन्नी दावते इस्लामी का पहला इज्तेमा 13 अक्टूबर 2019 में हुआ था। दूसरा सुन्नी इज्तेमा 26 नवंबर 2023 को करबला मैदान, जयपुर में हुआ है। जिसमें मुख्य अतिथि मौलाना मुहम्मद शाकिर अली नूरी साहब अमीर सुन्नी दावते इस्लामी, मोहक्किके मसाईले जदीदा हज़रत मौलाना मुफ्ती निज़ामुद्दीन साहब किब्ला सदर शोबा ए इफ्ता अल्जामियातुल अशरफिया मुबारकपुर आलमी शोहरत याफ्ता इस्लामिक स्कॉलर नातखां बुलबुले बागे मदीना अल्हाज कारी मुहम्मद रिजवान खान साहब रुकने शूरा मुंबई, आले रसूल अल्हाज मौलाना सय्यद अमीनुल कादरी साहब किब्ला मालेगांव से तशरीफ लाए। राजस्थान से गुले गुलज़ारे चिश्तिया मौलाना सय्यद सुल्तानुल हसन चिश्ती साहब दरगाह ख्वाजा गरीब नवाज़ अजमेर शरीफ, मौलाना मुफ्ती शमशुद्दीन साहब किब्ला मकराना, मौलाना हाफिज अल्लाह बख़्श किब्ला बासनी, मौलाना फय्याज अहमद साहब किब्ला जोधपुर, मौलाना अबु बकर साहब नागौर, मौलाना सलीम अकबरी साहब भीलवाड़ा, मौलाना अंसारुल कादरी साहब व मौलाना हाफिज मोइनुद्दीन रज़वी साहब अजमेर शरीफ से तशरीफ लाएं। इज्तेमा की सदारत हजरत मौलाना कारी अहतराम आलम साहब ने की। खुसूसी निगरानी आले रसूल अल्हाज मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी साहब व हाजी हसीन अहमद साहब ने फरमाई। इज्तेमा में हाफिज व कारी गुलाम मोईनुद्दीन कादरी जहांगीरी, हाजी नायाब खान, नासिरुद्दीन शेख, हाजी अबसार अली, हाजी नइमुल्लाह, हाजी हकीम हुसैनी, हाजी हामिद बैग, मोहम्मद शकील अशरफी, सैयद मोहम्मद अकील नूरी इत्यादि मौजूद रहे।

इश्क ए रसूल पर हुई तकारीर

» शेख नसीरुद्दीन साहब ने बताया कि पहला खिताब हजरत मौलाना सय्यद मुहम्मद कादरी साहब का समाज में फैल रही बुराइयों के खात्मे, कारी मुहम्मद रिज़वान खान साहब एजुकेशन अवेयरनेस पर, हाफिज़ अल्लाह बख्श साहब दीनों तबलीग कैसे की जाए और मौलाना शाकिर अली नूरी साहब व मौलाना सय्यद अमीनुल क़ादरी साहब इस्लाहे मुआशरा व इश्के रसूल के उनवान पर तकरीर की। खुसूसी ज़िक्रो दुआ के साथ सलातो सलाम पर इज्तेमा का समापन हुआ।

महिलाओं के बैठने की अलग से रही व्यवस्था

» अधिवेशन में औरतों के बैठने के लिए भी पर्दे का माकूल इंतेजाम रहा। यह इज्तेमा सूफी विचार धाराओं, औलिया अल्लाह ख्वाजा गरीब नवाज़ के मानने वालों का है। इसमें सूफी विचार व औलिया अल्लाह की सुफिज्म शिक्षा को बढ़ावा दिया गया। मौलाना सैयद मोहम्मद कादरी ने कहा कि आलमी तहरीक सुन्नी दावते इस्लामी अपने कयाम ही से मुल्क व कौम की तरक्की के लिए हर मुम्किन कोशिश करती रही है।

18 जोड़े बंधे विवाह बंधन में

एहसास आर्गनाइजेशन का सामूहिक विवाह सम्मेलन

चमकता राजस्थान

जयपुर (खलील कुरैशी)एहसास सोशल डेवलपमेंट आर्गनाइजेशन की ओर से विवाह सम्मेलन का आयोजन मुस्लिम मुसाफिर खाना जयपुर में सम्पन्न हुआ जिसमें प्रदेश भर से 18 जोड़ों ने हिस्सा लिया।सभी जोड़ों का निकाह नायब क़ाज़ी सैयद असगर अली ने इस्लामिक रीति रिवाज से संपन्न कराया गया। क़ाज़ी असगर अली द्वारा एक समारोह में रिकार्ड 18 निकाह पढ़ाए गए।एहसास आर्गनाइजेशन द्वारा सभी जोड़ों को

घर गृहस्थी का सामान दिया ताकि वो अपना वैवाहिक जीवन शुरू कर सकें।एहसास आर्गनाइजेशन द्वारा समय समय पर सोशल डेवलपमेंट के कार्य किए जाते हैं,विशेषकर शादी में ब्याह में बढ़ते फिजूलखर्च को रोक कर उसको शिक्षा पर खर्च करने के लिए प्रेरित करना है।सम्मेलन को संबोधित करते हुए एहसास की टीम ने सभी जोड़ों को ताकीद की के वो अपने बच्चों की शादियां आसान करें तथा बच्चों की शिक्षा पर ध्यान दें ताकि वो अच्छा नागरिक बन सके।सामूहिक विवाह सम्मेलन में मुस्लिम मुसाफिर खाना अध्यक्ष तथा वेलफेयर पार्टी अध्यक्ष,एहसास आर्गनाइजेशन की समस्त टीम तथा महिला कार्यकर्ता के रूप में जमात की महिला विंग ने जिम्मेदारी संभाली।कार्यक्रम के अंत में सभी बाराती - धारात्यों तथा सभी मेहमानों को एहसास टीम ने स्वागत किया।

बांसी में कार्तिक पूर्णिमा के स्नान का पौराणिक महत्व हज़ारों श्रद्धालु जूट

बगहा।

बांसी नदी में कार्तिक पूर्णिमा के स्नान दान करने का काफी महत्व है।पौराणिक कथाओं के मुताबिक शादी के बाद जनकपुर से अयोध्या लौटते वक्त भगवान राम ने यहां रात्रि विश्राम किया था। और सुबह इस नदी में स्नान करने के उपरांत शंकर भगवान की पिंडी बनाकर पूजा की थी।

बिहार यूपी सीमा पर अवस्थित बांसी नदी के बारे में कहा जाता है की सौ कासी, नहीं एक बांसी। अर्थात कासी में सौ बार नहाने का जितना पुण्य मिलता है उतना महज एक बार बांसी नदी में नहा लेने से मिल जाता है। यहीं वजह है की कार्तिक पूर्णिमा के दिन बांसी नदी पर लाखों की संख्या में बिहार, यूपी और नेपाल के दूर दराज के इलाकों से श्रद्धालु स्नान दान करने पहुंचते हैं और यहां रात्रि विश्राम कर कोसी भरने की भी परंपरा है।

बांसी नदी का पौराणिक महत्व इसलिए भी बढ़ जाता है क्योंकि त्रेता युग में इस नदी तट पर भगवान राम सीता की बारात ठहरी थी। स्थानीय लोगों का कहना है की माता सीता से विवाह पश्चात जब रामजी जनकपुर से अयोध्या जा रहे थे उसी दौरान बांसी नदी तट पर उनकी बारात ठहरी थी। अगले सुबह नित्य क्रिया के बाद स्नान कर भगवान शिव की प्रति दिन आराधना करने वाले भगवान राम ने यहां एक शिव लिंग की पिंडी बनाकर पूजा की थी। घने जंगल मे स्थापित इस पिंडी के बारे में जानने वाले स्थानीय लोगों ने यहां बाद में पूजन-अर्चन शुरू कर दी थी। कालांतर में यहां एक शिव मंदिर स्थापित किया गया। अब यहां आने वाला हर श्रद्धालु बांसीघाट स्थित इस शिव मंदिर में पूजन-अर्चन किये बगैर नहीं लौटता। इस स्थान के बारे में एक कहावत "सौ काशी न एक बाँसी" अर्थात काशी में सौ बार स्नान करने के बराबर बांसी में एक बार स्नान करने से ही पुण्य प्राप्त होता है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929